04 - प्रधानमंत्री मोदी और संघ

05 - ग्रीक कवि सोलोन की कविता का चमत्कारिक प्रभाव!

A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 21 मार्च, 2025

06 - राष्ट्रीय सर्व ब्लाई समाज का प्रथम प्रादेशिक अधिवेशन...

07 - विक्रमोत्सव में आज से अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 190, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

उत्तराखंड : 'पहाड़ी बनाम मैदानी' विवाद ने बढ़ाईं भाजपा की मुश्किलें

शंकर अर्निमेष

उत्तराखंड विधानसभा में 'पहाड़ी बनाम मैदानी' मुद्दे पर अपनी विवादास्पद टिप्पणी के कुछ हफ्ते बाद, राज्य के वित्त और संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने रविवार को मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा- टिप्पणी और राज्य की भाजपा इकाई के भीतर की कलह का नतीजा - अचानक आई प्रतिक्रिया नहीं थी। राज्य के कई नेताओं ने उनके बयान को विभाजनकारी और पिछली दरारों को फिर से खोलने वाला माना। जानकारी मिली है कि भाजपा केंद्रीय नेतृत्व, जो राज्य इकाई के खिलाफ जाने वाले प्रमुख नेताओं के मद्देनज़र राज्य मंत्रिमंडल में बदलाव करना चाहता था, उसने भावना को स्वीकार किया और उस पर कार्रवाई की।

अग्रवाल के इस्तीफे का कारण बनने वाला विवाद पिछले महीने तब शुरू हुआ, जब मंत्री ने राज्य विधानसभा में कांग्रेस विधायक मदन बिष्ट की एक टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पूछा, 'क्या उत्तराखंड सिर्फ पहाड़ी लोगों के लिए है? कुछ लोग मध्य प्रदेश से आए हैं, तो कुछ राजस्थान से। क्या आप लोगों को 'कुमाऊंनी', 'गढ़वाली', 'पहाड़ी' और 'देसी' में बांट रहे हैं? क्या हमने इस तरह लड़ने के लिए राज्य के लिए लड़ाई लड़ी? क्या आप सिर्फ इसलिए (मेरे बोलने पर) आपत्ति जताएंगे क्योंकि मैं अग्रवाल हूं?'

उनके बयान के बाद कांग्रेस और सामाजिक संगठनों ने विधानसभा के अंदर और बाहर 'पहाड़ी बनाम मैदानी' का मुद्दा उठाया और अग्रवाल के पुतले जलाए। इसके बाद उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने अग्रवाल को पार्टी कार्यालय बुलाया, जहां भाजपा के संगठन सचिव अजय कुमार भी मौजूद थे। अग्रवाल ने भट्ट के सामने अपने बयान का बचाव करते हुए दावा किया कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका कभी भी 'पहाड़ी' समुदाय को निशाना बनाने का इरादा नहीं था, क्योंकि उन्होंने अलग राज्य बनाने के आंदोलन में उनके साथ भाग लिया था। भट्ट ने अग्रवाल को भविष्य में अपने शब्दों का चयन अधिक सावधानी से करने की हिदायत दी और उनसे माफी मांगने को कहा।

अग्रवाल ने बाद में खेद जताते हुए कहा कि उनका कभी भी किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था। उस समय अग्रवाल का बचाव करते हुए भट्ट ने कहा था, 'उन्होंने साफ किया है कि चाहे जो भी बात हो, उनका आशय दूर-दूर तक ऐसा नहीं था। फिर भी, अगर कोई आपत्तिजनक शब्द थाज्तो वह पहाड़ों या मैदानों के बारे में नहीं था।'

उस समय उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इस मुद्दे को कमतर आंकते हुए कहा था कि 'उत्तराखंड सभी का है।' 'राज्य में अलग-अलग क्षेत्र हैं, अलग-अलग जगहें हैं और सभी लोग मिलकर राज्य को आगे ले जाने का काम करेंगे।' हालांकि, स्थिति शांत नहीं हुई। गैरसैंण में प्रदर्शन किए जाने के बाद, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने विरोध के पीछे राजनीतिक मंशा का संकेत दिया। उन्होंने कहा, '2027 के चुनाव नज़दीक हैं और कुछ स्ट्रीट लीडर्स आंदोलन की योजना बना रहे हैं। एक मंत्री को हटाने के लिए विरोध करना सही नहीं है।' हालांकि, अग्रवाल के इस समर्थन के बावजूद, उनके इस्तीफे की मांग ने और जोर पकड़ लिया, खासकर तब जब प्रसिद्ध लोक गायक नरेंद्र सिंह नेगी ने उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया। नेगी के समर्थन ने विपक्ष को नई ताकत दी। जैसे-जैसे यह मुद्दा बढ़ता गया, पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी की बेटी व स्पीकर रितु खंडूरी सत्तारूढ़ पार्टी के नेता अग्रवाल का पक्ष लेने के लिए जांच के घेरे में आ गईं। उन्होंने कांग्रेस विधायक लखपत सिंह बुटोला को सदन में इस मुद्दे पर अपनी बात रखने से रोक दिया, जिससे विपक्ष और अन्य संगठनों की ओर से विवाद और बढ़ गया और निंदा की गई।

'हालांकि, भाजपा के भीतर विभाजन तब और बढ़ गया, जब पूर्व मुख्यमंत्री और हरिद्वार के सांसद त्रिवेंद्र रावत ने अग्रवाल की खुलेआम आलोचना की और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। संयोग से प्रेमचंद अग्रवाल ऋषिकेश के विधायक हैं, जो रावत के लोकसभा क्षेत्र में आता है। रावत ने कहा कि भाजपा ने इस मुद्दे पर संज्ञान लिया है। इस तरह की घटना पहली बार हुई है। केंद्र ने भी इसका संज्ञान लिया होगा या ले रहा है।'

रावत के अलावा, भाजपा सांसद और मीडिया सेल प्रमुख अनिल बलूनी ने 8 मार्च को कोटद्वार में अग्रवाल के प्रति नाराज़गी जताई और कहा कि यह मुद्दा 'दर्दनाक' और 'दुर्भाग्यपूर्ण' था। राज्य इकाई की अंदरूनी कलह और मामले को ठीक से न संभाल पाने के कारण इसकी मुश्किलें बढ़ गईं। उत्तराखंड भाजपा के एक मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अग्रवाल के इस्तीफे का मुख्य कारण राज्य इकाई द्वारा इस मुद्दे को तेज़ी से हल करने में विफलता रही। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे छोटे राज्यों में, जहां छोटे निर्वाचन क्षेत्र हैं, जहां लोग अपने प्रतिनिधियों से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। 'पहाड़ी बनाम मैदान' का विभाजन उत्तराखंड में विशेष रूप से संवेदनशील है, जो एक लंबे संघर्ष के बाद बना राज्य है। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने बाहरी लोगों को उत्तराखंड में ज़मीन खरीदने से रोकने के लिए सख्त कानून लागू किए हैं।

उत्तराखंड भाजपा के मंत्री ने कहा, 'अग्रवाल द्वारा जल्दी से माफी मांगने और अपनी टिप्पणी का बचाव करने में विफलता के कारण विरोध बढ़ गया और अगर उनका इस्तीफा नहीं होता, तो स्थिति और बिगड़ सकती थी, जिससे भट्ट और खंडूरी जैसे अन्य लोगों को नुकसान हो सकता था।'

एक अन्य भाजपा नेता ने बताया कि पांच खाली पदों के साथ आगामी कैबिनेट विस्तार ने राज्य के नेताओं को अपने समर्थन का आधार दिखाने का मौका दिया था- जो अग्रवाल के निष्कासन का एक कारक भी था। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि अग्रवाल की टिप्पणी गलत थी और इसी के कारण विवाद हुआ. उन्होंने कहा, 'केंद्रीय नेतृत्व इस मामले को और तूल नहीं देना चाहता था।'

भाजपा एक अन्य विधायक खजान दास ने कहा, 'अग्रवाल को सदन में बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए थी, जहां यह मुद्दा सबसे पहले उठा था। देरी ने विवाद को बढ़ाने में योगदान दिया। राज्य आंदोलन के समय से ही मौजूद 'पहाड़ी बनाम मैदानी' विभाजन ने भाजपा नेतृत्व के कदम उठाने के फैसले को और मजबूत किया। देहरादून, हरिद्वार और उधम सिंह नगर कांग्रेस के ऐतिहासिक गढ़ रहे हैं, इसलिए भाजपा विभाजन को और भड़काने का जोखिम नहीं उठा सकती, खासकर 2027 के राज्य चुनावों के मद्देनज़र। भाजपा ने पिछले दो बार लगातार विधानसभा चुनाव जीते हैं।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

दो मुठभेड़, 30 नक्सली ढेर

- बीजापुर में 26, कांकेर में 4 के शव मिले
- भारी मात्रा में हथियार बरामद, फायरिंग जारी

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में गुरुवार सुबह से जारी दो मुठभेड़ में 30 नक्सली मारे गए हैं। पहली मुठभेड़ बीजापुर-दंतेवाड़ा बॉर्डर पर और दूसरी कांकेर-नारायणपुर सीमा पर हुई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीजापुर में 26 और कांकेर में 4 नक्सली मारे गए। बीजापुर की मुठभेड़ में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) का एक जवान भी शहीद हुआ है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि गुरुवार दोपहर तक दोनों तरफ से फायरिंग जारी थी। घटनास्थल से नक्सलियों के शव और कई ऑटोमैटिक हथियार बरामद किए गए हैं। इधर, तीसरी घटना में नारायणपुर-दंतेवाड़ा बॉर्डर पर स्थित थुलथुली इलाके में आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से दो जवान जख्मी हो गए। दोनों की हालत खतरे से बाहर है। पुलिस को गंगालूर इलाके में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की जानकारी मिली थी। इसके बाद दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन लॉन्च किया। फोर्स एक दिन पहले एंड्री इलाके में पहुंच गई थी। गुरुवार की सुबह यहां मुठभेड़ हुई। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव और दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने जानकारी दी है कि मुठभेड़ अभी भी जारी है। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर 1 महीने पहले 9 फरवरी को 1000 से ज्यादा जवानों ने 31 नक्सलियों को मार गिराया था। सभी के शव रिकवर कर लिए गए थे। मुठभेड़ बीजापुर के इंद्रावती नेशनल पार्क इलाके में हुई थी। इस मुठभेड़ में डीआरजी और सीआरपीएफ के एक-एक जवान भी शहीद हुए थे। बीजापुर पुलिस के अनुसार, गंगालूर थाना क्षेत्र से नक्सल विरोधी ऑपरेशन के तहत सुरक्षाबलों की संयुक्त टुकड़ी रवाना हुई थी। अभियान के दौरान सुबह नक्सलियों ने घात लगाकर हमला किया।

प्रदेश में हो रहा है हर खेत तक पानी पहुंचाने का भागीरथी कार्य : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में तेज गति से हो रहा विकास

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में नदी जोड़ो अभियान के माध्यम से हर खेत तक पानी पहुंचाने का भागीरथी कार्य किया जा रहा है। यह मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है कि केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल जैसी दो बहुउद्देशीय बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं का श्रीगणेश हुआ है। आज नर्मदा-क्षिप्रा बहुउद्देशीय माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना से नर्मदा का जल तराना में आया है। सूखे खेतों में पानी पहुंचेगा तो सोने जैसी फसलें लहलहाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 2 हजार 489 करोड़ 65 लाख रूपये की नर्मदा-क्षिप्रा बहुउद्देश्य माइक्रो बहुउद्देशीय परियोजना के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह को उज्जैन जिला प्रभारी एवं कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्री हरिगिरी महाराज, सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने भी संबोधित किया। इसमें शाजापुर विधायक श्री अरूण भीमावद, तराना विधायक श्री महेश परमार सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तराना में जल संसाधन विभाग के 9.64 करोड़ रूपये लागत के इंदौर हाई लेवल ब्रिज, 5 करोड़ 73 की लागत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 5 करोड़ 21 लाख रूपये लागत की 11 नल जल परियोजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने 7 करोड़ 15 लाख रूपये लागत के उप-स्वास्थ्य केंद्र के नवीन भवन तथा समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत ग्राम कडेरी में हाई स्कूल भवन निर्माण का भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में तेज गति से विकास हो रहा है। भारत आज विश्व में सबसे सशक्त देश बनकर उभरा है।

नर्मदा-क्षिप्रा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना के मुख्य बिंदु

नर्मदा-क्षिप्रा बहुउद्देशीय माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना से क्षेत्र के कुल 100 ग्रामों की 30 हजार 218 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इससे उज्जैन जिले की दो तहसीलों तराना एवं घटिया के कुल 83 ग्रामों की 27 हजार 490 हेक्टेयर तथा शाजापुर जिले की शाजापुर तहसील के कुल 17 ग्रामों की 2728 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। परियोजना का कुल कमाण्ड क्षेत्र 30 हजार 218 हेक्टेयर है। परियोजना अंतर्गत ओंकारेश्वर जलाशय से (जिला खंडवा के ग्राम बड़ेल के समीप) 03 मीटर व्यास की पाईप लाईन से 15 घन मीटर प्रति सेकण्ड की दर से 435 मीटर की ऊंचाई तक जल उद्वहन किया जायेगा। परियोजना की मुख्य पाईप लाईन की कुल लंबाई 200 किलोमीटर है। जल उद्वहन के लिये 06 पंपिंग स्टेशन में कुल 50 पंप मोटर्स सेट्स की स्थापना की गई है। जल उद्वहन करने में कुल 89 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होगी। परियोजना में वितरण प्रणाली के लिए 2.5 हेक्टेयर चक तक कुल 2254 किलोमीटर (03 मीटर व्यास से 63 मिलीमीटर व्यास तक) पाईप लाईन बिछाई गई है। परियोजना में प्रति 20 हेक्टेयर पर एक ओ.एम.एस. बाक्स अर्थात् कुल 1539 बाक्स स्थापित किये गये हैं। परियोजना का संपूर्ण संचालन स्काडा के माध्यम से किया जाकर 2.5 हेक्टेयर चक तक 20 मीटर दबाव से जल उपलब्ध कराया जायेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'पर ड्रॉप-मोर-क्रॉप' आव्हान अनुरूप दाबयुक्त जल उपलब्ध होने पर कृषक स्प्रिकंलर एवं ड्रिप के माध्यम से कम जल से अधिक सिंचाई का लाभ ले सकेंगे।

सुप्रभात

तेरा चुप रहना मेरे ज़ेहन में क्या बैठ गया
इतनी आवाज़ें तुझे दीं कि गला बैठ गया
यूँ नहीं है कि फ़क़त मैं ही उसे चाहता हूँ
जो भी उस पेड़ की छाँव में गया बैठ गया
इतना मीठा था वो ग़ुस्से भरा लहजा मत पूछ
उस ने जिस जिस को भी जाने का कहा बैठ गया
अपना लड़ना भी मोहब्बत है तुम्हें इल्म नहीं
चीख़ती तुम रही और मेरा गला बैठ गया
उस की मर्ज़ी वो जिसे पास बिठा ले अपने
इस पे क्या लड़ना फुलाँ मेरी जगह बैठ गया
बात दरियाओं की सूरज की न तेरी है यहाँ
दो क़दम जो भी मेरे साथ चला बैठ गया..
बज़्म-ए-जानाँ में नशिस्तें नहीं होतीं मख़्सूस
जो भी इक बार जहाँ बैठ गया बैठ गया....!!!

- तहज़ीब हाफ़ी

भोपाल के विंध्याचल भवन में लगी आग

रिनोवेशन के दौरान वेल्डिंग करते समय हादसा; तीन दमकलों ने पाया काबू

भोपाल (नप्र)। भोपाल के विंध्याचल भवन में गुरुवार दोपहर को आग लग गई। हादसा घुमक्कड़ विभाग के विकास आयुक्त कार्यालय में हुआ। आग की इस घटना से कर्मचारी दहशत में आ गए। बिल्डिंग से धुआं निकलता नजर आया।

आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और नगर निगम की फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। हालांकि इसके पहले ही वहां मौजूद कर्मचारियों आग बुझा दी। दरअसल, घुमक्कड़ विभाग के विकास आयुक्त कार्यालय में रिनोवेशन कार्य चल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि वेल्डिंग के दौरान कागज के गत्तों में आग लग गई। एक कारण ये भी बताया जा रहा है कि किसी के बीड़ी या सिगरेट पीने से निकली चिंगारी से ये आग लगी। बिल्डिंग प्रभारी कमल सिंह ने बताया कि आग पर जल्द ही काबू पा लिया है। कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है।

ग्वालियर कलेक्ट्रेट में 3 विभागों के दस्तावेज जले- इधर, ग्वालियर कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्थित कोषालय (ट्रेजरी), महिला एवं बाल विकास विभाग और एक अन्य विभाग के कार्यालय में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे आग लगी थी। कलेक्ट्रेट कार्यालय के पीछे स्थित बिजली विभाग की डीपी में डबल फेस मिलने के कारण शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे इन दफ्तरों में आग लग गई। इस हादसे में ट्रेजरी ऑफिस के दस्तावेज, महिला एवं बाल विकास विभाग के कंप्यूटर, फर्नीचर, सीपीयू, की-बोर्ड और कुछ महत्वपूर्ण फाइलें जलकर नष्ट हो गई।

प्राचीन पांडुलिपियाँ इतिहास और संस्कृति की अमूल्य धरोहर: प्रो. शर्मा

विक्रमोत्सव

डॉ. जफर महमूद
उज्जैन से

प्राचीन पांडुलिपियाँ हमारे इतिहास और संस्कृति का अमूल्य धरोहर हैं। इन्हें संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इनका अध्ययन कर सकें। यह उद्गार विक्रमोत्सव में प्राचीन पांडुलिपियों के संग्रह संरक्षण का महत्व विषय पर आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वक्ता विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बालकृष्ण शर्मा ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से पांडुलिपियों की सुरक्षा की जा सकती है।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा सिंधिया प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान के सहयोग से आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. अर्पण भारद्वाज ने की। मुख्य अतिथि के रूप में अश्विनी शोध संस्थान के निदेशक डॉ. आर.सी. ठाकुर ने मुद्राओं, कागजों, चमड़े एवं अन्य सामग्रियों पर अभिलिखित पांडुलिपियों के ऐतिहासिक महत्व की स्पष्ट किया। विशिष्ट अतिथि योगाचार्य उषा ज्ञानी ने योग का संचालन महत्व बताते हुए 2 मिनिट का ध्यान करवाया। पुरातत्वविद नारायण व्यास ने सर्वेक्षण के दौरान मिलने वाली पांडुलिपियों के संरक्षण के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी। संगोष्ठी में विषय प्रवर्तन विक्रम विश्वंविद्यालय के वरिष्ठ पुराविद डॉ. रमण सोलंकी ने किया। आभार डॉ. विश्वजीत सिंह परमार ने माना। संचालन डॉ. प्रीति पांडे ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्याा में शोधार्थी व विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

आयुर्धा शर्मा ने कथक नृत्य से भगवान शिव के सत्य, सौंदर्य और सनातन स्वरूप को जीवंत किया।

विक्रमोत्सव के मंच पर आयुर्धा शर्मा ने अनूठी कथक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयुर्धा ने अपनी प्रस्तुति 'शिवम् सत्यम सुंदरम' के माध्यम से भगवान शिव के सत्य, सौंदर्य और सनातन स्वरूप को जीवंत किया।

उन्होंने प्रस्तुति में भगवान शिव की दिव्यता, शाश्वतता और सौंदर्य को सुंदर भाव-भंगिमाओं और नृत्य मुद्राओं के माध्यम से दर्शाया। आयुर्धा की प्रभावी प्रस्तुति देख दर्शक देर तक तालियों से उनका उत्साहवर्धन करते रहे।आयुर्धा ने नृत्य से कला प्रेमियों को आकर्षित किया और भगवान शिव की दिव्यता को भी दर्शकों के हृदय में स्थापित किया।

विजयदत्त श्रीधर को प्रतिष्ठित 'साहित्य वाचस्पति सम्मान'

भोपाल। भारत में हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से स्थापित हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग का 76वां अधिवेशन 21-23 मार्च, 2025 को आणन्द, गुजरात में होने जा रहा है। अधिवेशन के अंतर्गत 22 मार्च को आयोजित 'राष्ट्रभाषा परिषद' के सभापति का दायित्व सप्रे संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर को सौंपा गया है। 23 मार्च को अधिवेशन के समापन समारोह में श्री श्रीधर को सम्मेलन की सर्वोच्च उपाधि 'साहित्य वाचस्पति सम्मान' से अलंकृत किया जाएगा।

सप्रे संग्रहालय के निदेशक अरविंद श्रीधर ने बताया कि हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग की स्थापना महामना पं. मदनमोहन मालवीय की अध्यक्षता में सन् 1910 में हुई। राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन सम्मेलन के प्रधानमंत्री थे।

पत्रकारिता इतिहास के गहन अध्येता और भारतीय भाषा सत्याग्रह के सूत्रधार विजयदत्त श्रीधर को पूर्व में पद्मश्री अलंकरण, 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र पुरस्कार', 'महर्षि वेदव्यास सम्मान' और 'माधवराव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान' से सम्मानित किया गया है। वर्तमान में आप पत्रकारिता एवं जनसंचार और विज्ञानसंचार की शोध पत्रिका 'आंचलिक पत्रकार' का संपादन कर रहे हैं। आप माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शोध निदेशक भी रहे हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c | न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 21 मार्च 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

क्रिकेटर चहल और धनश्री में 5 साल बाद तलाक

● फैमिली कोर्ट का फैसला, 4.75 करोड़ रुपए की एलिमनी पर सेटलमेंट

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा का 5 साल बाद तलाक हो गया। मुंबई की फैमिली कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया। युजवेंद्र और धनश्री मुंबई के फैमिली कोर्ट में मौजूद रहे।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को चहल की याचिका पर फैमिली कोर्ट को 20 मार्च को फैसला सुनाने के आदेश दिया था। जस्टिस माधव जामदार की सिंगल बेंच ने कहा कि चहल 21 मार्च से उपलब्ध नहीं होंगे, क्योंकि उन्हें आईपीएल में हिस्सा लेना है। पिछले ढाई साल से दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। दोनों के बीच 4.75 करोड़ में सेटलमेंट की खबर है।

युजवेंद्र और धनश्री की शादी 22 दिसंबर 2020 में हुई थी। चहल और धनश्री मास्क लगाए हुए थे, दोनों ने मीडिया से बात नहीं की कोर्ट में दोनों करीब एक घंटे रहे। दोनों ने चेहरे पर मास्क लगाया हुआ था।

धनश्री वाइट टॉप और ब्लू जिंस के साथ ब्लैक कलर का सनग्लास लगाए हुए थीं। दोनों ने मीडिया से कोई बात नहीं। बिना कोई बयान दिए कोर्ट रूम के अंदर चले गए।

दिशा सालियान सुसाइड केस, पिता की हाईकोर्ट में याचिका

● आदित्य ठाकरे पर एफआईआर के साथ सीबीआई जांच की मांग

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने बेटी की मौत की नए सिरे से जांच की मांग की है। उन्होंने बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और बेटी की मौत की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई है। आरोप लगाया गया है कि दिशा के साथ गैंगरेप के बाद उसकी हत्या की गई थी। याचिका में सूरज पांचोली, डिनो मोर्या और मुंबई पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

अमेरिका में भारतीय छात्र बदर खान सूरी गिरफ्तार

● हमास के लिए प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के इमिग्रेशन अधिकारियों ने सोमवार रात एक भारतीय छात्र बदर खान सूरी को वर्जीनिया से गिरफ्तार किया है। सूरी पर अमेरिका में हमास के समर्थन में प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प विदेश नीति का विरोध करने वाले छात्र कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई कर रही है। सूरी को भी इसी कार्रवाई के तहत गिरफ्तार किया गया

है। उस पर इजराइल का विरोध करने के आरोप लगे हैं। सूरी स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी का छात्र है। वह सेंटर फॉर मुस्लिम-क्रिश्चियन अंडरस्टैंडिंग में पोस्ट डॉक्टोरल फैलो के रूप में पढाई कर रहा है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग में सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि सूरी सक्रिय तौर पर हमास का प्रचार कर रहा था और सोशल मीडिया पर यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा दे रहा था। उसे अमेरिका से निर्वासित किया जा सकता है। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ रही भारतीय छात्रा रंजनी श्रीनिवासन का इसी महीने वीजा रद्द कर दिया गया था।

कोलकाता रेप केस में ट्रेनी डॉक्टर का डेथ सर्टिफिकेट जारी

● हेल्थ सेक्रेटरी ने घर जाकर सौंपा

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त 2024 को ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या कर दी गई थी। घटना के 222 दिन बाद कोलकाता म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन ने पीड़ित का डेथ सर्टिफिकेट जारी किया। 19 मार्च को हेल्थ सेक्रेटरी ने इसे पीड़ित के घर जाकर पेरेंट्स को सौंपा। इससे पहले 23 फरवरी को पीड़ित डॉक्टर के परिवार ने आरोप लगाया था कि कोलकाता नगर निगम डेथ सर्टिफिकेट जारी नहीं कर रही है। जबकि पानीहाटी नगर

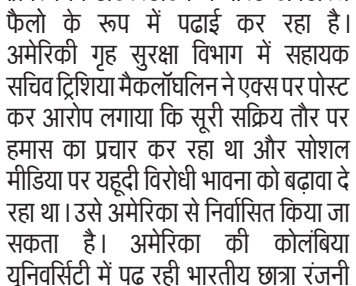

पालिका बेटी के दाह संस्कार का सर्टिफिकेट जारी कर चुकी है। माता-पिता ने बताया था कि केएमसी अधिकारियों ने कहा है कि डेथ सर्टिफिकेट जारी करने की जिम्मेदारी आरजी कर अस्पताल की है। जबकि, अस्पताल प्रबंधन ने कहा है कि सर्टिफिकेट केएमसी जारी करेगा। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस पर 17 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने स्वत: संज्ञान लेते हुए पीड़ित के पेरेंट्स को कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की अनुमति दे दी। परिवार की मांग है कि, इस मामले में सीबीआई ने सही से जांच नहीं की।

● राबड़ी से फिर बोले नीतिश

पति के सस्पेंशन पर सीएम बन गई, कुछ काम नहीं किया

पटना (एजेंसी)। विधान परिषद में गुरुवार को कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के एमएलए ने लॉ-एंड-ऑर्डर पर हंगामा किया। सीएम नीतिश कुमार की मौजूदगी में नारेबाजी की गई। आरजेडी के एमएलए नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए। इस बीच सीएम नीतिश कुमार अपनी सीट से उठे और कहा-आप लोगों से आग्रह है कि अपनी जगह बैठ जाइए। कहीं भी कुछ होता है तो कार्रवाई होती है। इस पर भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। जिसके बाद मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने राबड़ी देवी से कहा-आपका क्या है। पति का सस्पेंशन हुआ तो आपको मुख्यमंत्री बना दिया। घर का मामला था तो आपको बना दिया। विधान परिषद में राबड़ी देवी ने मंत्री अशोक चौधरी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा-अशोक चौधरी फिरौती लेते हैं। परिषद में जब विपक्ष और सत्ता पक्ष की तरफ से नोक झोंक हो रही थी, उस समय मंत्री अशोक चौधरी भी बोलने के लिए उठे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव डिंडोरी जिले के शाहपुर में जनजातीय बंधुओं के साथ।

डिंडौरी के विकास में सरकार कसर नहीं छोड़ेगी: सीएम यादव

जिले के अधिकारी प्लानिंग कर रहे, शहीदों के नाम पर चल रही योजनाएं

डिंडौरी (नप्र)। डिंडौरी में सीएम डॉ. मोहन यादव दोपहर साढ़े तीन बजे वीरांगना रानी अवंती बाई के समाधि स्थल बालपुर पहुंचकर। प्रतिमा पर मल्यार्पण किया।

शहीदों के नाम पर चलाई जा रही योजनाएं- सीएम ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई के अद्भुत साहस और पराक्रम को देखकर अंग्रेज दहशत में रहते थे। मैं उनको नमन करने आया हूं। महापुरुषों को स्मरण कर उनको यथा योग्य सम्मान देने का काम सरकार कर रही है। रानी अवंती बाई के नाम पर सागर में विश्वविद्यालय बनवाया है। जबलपुर एयरपोर्ट का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर रखा है। भोपाल के एक रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति के नाम पर रखा। टंट्या मामा के नाम पर विश्वविद्यालय बनवाया। महू के पास एक रेलवे स्टेशन का नाम रखा है। समाज के सामने इन महापुरुषों के इतिहास को रखा जाएगा ताकि आने वाली पीढ़ियां इन से सबक ले सकें।

दूध विक्रेताओं को मिलेगा बोनस- दस से अधिक गाय पालने वाले हितग्राहियों को एक लीटर दूध बेचने पर 5 रुपए बोनस दिया जाएगा। प्रदेश में 1 लाख भर्तियां की जाने की योजना है। डिंडौरी जिले के विकास के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। प्रशासनिक अधिकारी प्लानिंग कर रहे है। क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश धुर्वे की मांग पर भी विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव डिंडोरी जिले के शाहपुर में जनजातीय बंधुओं के साथ नृत्य किया।

● थरूर का बयान, शमा का पोस्ट...

कांग्रेस का 'नो' ऐक्शन फॉर्मूला, किया किनारा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी इस समय मुश्किल दौर से गुजर रही है। पार्टी के कुछ नेता अपनी बात खुलकर रखना चाहते हैं, लेकिन पार्टी को डर है कि इससे उसकी छवि खराब हो सकती है। शशि थरूर के गलती सुधारने की कोशिश कर रहा हूं वाले बयान पर कांग्रेस की चुप्पी इस बात का सबूत है। दरअसल, राहुल गांधी और कांग्रेस अक्सर बीजेपी और पीएम नरेंद्र मोदी पर बोलने की आजादी को दबाने का आरोप लगाते रहे हैं। अब कांग्रेस खुद ऐसी ही स्थिति का सामना कर रही है। कांग्रेस

में कुछ नेता ऐसे हैं, जो पार्टी छोड़ना नहीं चाहते, लेकिन अपनी राय रखना चाहते हैं। जब भी वे ऐसा करते हैं, तो पार्टी असहज हो जाती है। दिलचस्प बात यह है कि ये नेता अपनी पहचान के लिए पार्टी पर निर्भर नहीं हैं। इसलिए पार्टी के लिए इन पर कार्रवाई करना मुश्किल है। ऐसा ही केस शमा मोहम्मद का था, उन्होंने रोहित शर्मा पर किए ट्वीट को लेकर सफाई दी और उसे डिलीट भी कर दिया। लेकिन वे अपनी बात पर कायम रहीं। कई कांग्रेस नेताओं के लिए थरूर हमेशा कुछ न कुछ ऐसा बोलते रहते हैं, जिससे पार्टी को परेशानी होती है। लेकिन उनका कद इतना बड़ा है कि उन्हें पार्टी से निकालना मुश्किल है। ऐसा ही कुछ कार्ति चिदंबरम के साथ भी हुआ था।

औरंगजेब की कब्र को एएसआई ने ढका, बढ़ाई सुरक्षा

● नागपुर हिंसा के बाद महाराष्ट्र के संभाजीनगर में अलर्ट ● पुलिस ने 18 स्पेशल टीमें बनाई, अब तक 69 गिरफ्तार

नागपुर (एजेंसी)। औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल के विरोध प्रदर्शन के बीच नागपुर में कई जगह हिंसा हुई। इस घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इधर मामले में आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) ने कदम उठाया है। एएसआई ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में औरंगजेब की कब्र के कुछ हिस्सों को टिन की चादरों से ढक दिया है। वहीं हिंसा का आरोपियों को पकड़ने के लिए 18 टीमें बनाई गई हैं, जो ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं। नागपुर में सांप्रदायिक हिंसा के बाद छत्रपति संभाजीनगर के कलेक्टर दिलीप स्वामी और पुलिस अधीक्षक विनय कुमार राठौड़ के एएसआई के

अधिकारियों के साथ कब्र का दौरा किया। इसके बाद कब्र को लोहे की टीन से चारों तरफ से ढक दिया गया। एएसआई के मुताबिक कब्र के दो किनारों पर टिन की चादरें और तार की बाड़ लगाई गई है। इसके अलावा कब्र के चारों ओर एक गोल घेरा भी लगाया जाएगा। जिला प्रशासन ने बताया कि औरंगजेब की कब्र के दो किनारों को ढकने वाला हरा जाल खराब हो गया था। पास में ख्वाजा सैयद जैनुद्दीन चिश्ती की कब्र पर आने वालों को यह ढांचा दिख रहा था, इसलिए टिन की चादरें लगाई गई है। औरंगजेब 17वीं सदी का मुगल बादशाह था। हाल ही में आई हिंदी फिल्म 'छावा' के बाद वह फिर से चर्चा में आ गया। पुलिस ने हिंसा मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और जांच प्रक्रिया को तेज कर दिया है। जांचकर्ताओं का कहना है कि इस घोटाले में कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं जिनके नाम जल्द ही सामने आ सकते हैं। आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि ऐसे घोटालों पर काबू पाया जा सके और भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए अपनाए गए गलत तरीकों पर नकेल कसी जा सके। नागपुर हिंसा के बाद पुलिस हरकत में आ गई है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए 18 स्पेशल टीमें बनाई हैं।

13 महीने से बंद शंभू बॉर्डर की एक लेन अब खुली

● बठिंडा समेत 4 जगहों पर पुलिस-किसानों में झड़प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पुलिस के शंभू और खनौरी बॉर्डर से किसान आंदोलन हटाने पर पंजाब में बवाल मचा हुआ है। किसान हाईवेज पर उतर आए हैं। अब तक 4 जगहों पर पुलिस और किसानों के बीच झड़प हो चुकी है। वहीं शंभू और खनौरी बॉर्डर पर 13 महीने से की गई बैरिकेडिंग हटाई जा रही है। शंभू बॉर्डर का पंजाब से हरियाणा जाने वाला हिस्सा खोल दिया गया है। डीजीपी हरमनबीर गिल ने कहा कि लोग यहां से जा सकते हैं। अब अंबाला से राजपुरा जाने वाली साइड खोली जा रही है। इधर, पुलिस ने किसान नेता जगजीत डल्लेवाल को पंजाब में आर्मी के कंट्रोल वाले जालंधर कैंट के वीआईपी रेस्ट हाउस में शिफ्ट कर दिया है। उनसे मिलने आए किसान नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। इस दौरान धक्कामुक्की भी हुई। बुधवार दोपहर हिरासत में लेने के बाद पहले उन्हें जालंधर सिटी के अस्पताल ले जाया गया था। पंजाब सीएम भगवंत मान ने शाम 7 बजे कैबिनेट की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। मोगा में किसानों ने डीसी

ऑफिस घेरने की कोशिश की। पुलिस के रोकने पर उन्होंने बैरिकेडिंग तोड़ दी। पुलिस गाड़ी हटा दी। इसके बाद धक्कामुक्की हुई। मुक्तसर के गिद्दड़बाहा में किसानों ने बठिंडा-गंगानगर हाईवे पर जाम लगाने की कोशिश की। पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें हटाया और हिरासत में ले लिया। बठिंडा के रामपुरा फूल में किसानों ने हाईवे जाम करने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। उनके ट्रैक्टर धक्का देकर किनारे कर दिए। फरीदकोट में पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे किसानों को हाईवे से हटाकर हिरासत में लिया।

किसानों पर पंजाब पुलिस के ऐक्शन से भड़के खरगे

● बीजेपी-एएपी दोनों ही अन्नदाता के अपराधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शंभू और खनौरी सीमा धरने पर बैठे किसानों पर पंजाब पुलिस के ऐक्शन से राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन खरगे ने किसानों को धरना स्थल से हटाए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी और पंजाब में सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी पर किसानों का

अपराधी बताया और उनके ऊपर किसानों को धोखा देने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर तंज कसते हुए उसके शासित राज्यों में किसानों पर हुई घटनाओं को भी याद दिलाया। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने एक्स पर लिखा कि ऐसा लगता है कि दोनों ही पार्टियों ने देश के अन्नदाता के विरोध में सांठगांठ कर ली है।

नित्यानंद राय के 2 भांजों के बीच फायरिंग, एक की मौत

● दूसरे के जबड़े को चीरते हुए निकली बुलेट, केंद्रीय मंत्री की बहन को भी लगी गोली

भागलपुर (एजेंसी)। भागलपुर में गुरुवार सुबह केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय के भांजों के बीच गोलीबारी हुई है। इसमें एक भांजे विकल यादव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा जयजीत यादव गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि नित्यानंद राय की बहन को भी गोली लगी है। मामला नवगछिया के जगतपुर गांव का है। गोलीबारी के बाद दोनों को इलाज के लिए भागलपुर के डॉक्टर एनके यादव के क्लिनिक में भर्ती कराया गया। जहां एक विकल को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जयजीत यादव की हालत नाजुक बनी हुई है। जयजीत की पत्नी ने कहा- दोनों भाइयों के बीच पिछले एक साल से जमीन को लेकर विवाद था। नवगछिया एसपी प्रेरणा कुमार ने बताया-दोनों भाइयों के बीच नल को लेकर

दोनों के बीच करीब 3 राउंड फायरिंग हुई। मृतक विकल को एक गोली लगी है, जबकि जयजीत को 2 बुलेट लगी है। चश्मदीद ने बताया- सुबह साढ़े 6 बजे जयजीत को पानी देने वाले नौकर ने बर्तन में हथेली डुबोकर पानी दिया। इसे लेकर विकल से उसकी भी दोनों भाइयों के बीच संबंध अच्छे नहीं थे। विवाद बढ़ा तो विकल घर के अंदर से पिस्टल ले आया और जयजीत के मुंह पर निशाना साधकर फायर कर दिया।

प्रधानमंत्री का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माना आभार

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेन-देन (पी2एम) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना स्वीकृत करने पर आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'डिजिटल इंडिया' का संकल्प साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छोटे व्यापारियों के प्रोत्साहन के लिए 2 हजार रुपए के लेनदेन पर 0.15 प्रतिशत प्रति लेन-देन की दर से इन्सेन्टिव प्रदान करने के लिए केन्द्रीय कैबिनेट द्वारा योजना को स्वीकृति देना ऐतिहासिक है। यह न केवल डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देगा अपितु छोटे व्यापारियों को सशक्त भी बनाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवरोज पर्व की दीं शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवरोज के पावन त्योहार पर देश के समस्त पारसी भाई-बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कामना की है कि नवरोज का त्योहार सभी नागरिकों के जीवन में खुशियां, उल्लास और नई ऊर्जा लाए। नवरोज का अर्थ नया दिन है, यह पारसी समुदाय के लिए नए साल की शुरूआत है।

मुख्यमंत्री ने पक्षियों के संरक्षण के लिए किया आह्वान

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व गौरैया दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए गौरैया के संरक्षण के लिए प्रयास करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पर्यावरण और आधुनिक तकनीक के दौर में मासूम जीवों का अस्तित्व संकट में न आए, इसके लिए वृक्ष लगाने, घोंसलें बनाने और गौरैया तथा अन्य पक्षियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए अपने-अपने स्तर पर सभी को प्रयास करने की आवश्यकता है। घर में गौरैया सहित अन्य पक्षियों के लिए घोंसला और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना पुण्य का कार्य है, इस दिशा में सभी को पहल करनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घर-आंगन चहकाने वाली गौरैया का संरक्षण हम सब का दायित्व है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम आज

भोपाल (नप्र)। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम 21 मार्च को सुबह 11 बजे से कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम होगा। उल्लेखनीय है कि होली के कारण 15 मार्च को यह कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा सका था।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा उपभोक्ता-जागरूकता प्रदर्शनी लगायी जायेगी। उपभोक्ता जागरूकता दिवस एवं नुक्कड़ नाटक भी आयोजित किये जायेंगे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनी के स्टॉल को पुरस्कृत किया जायेगा। उपभोक्ताओं को जानकारी प्रदान करने के लिए नाप-तौल विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग (प्रदर्शनी एवं मोबाईल लेब से लाईव टेस्टिंग) भारतीय मानक ब्यूरो, (मानकीकरण एवं बच्चों के लिए स्पाट क्विज) भारतीय खाद्य निगम, म.प्र.स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन, म. प्र. स्टेट वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कार्पोरेशन, इंडियन ऑयल कार्पोरेशन (ई-केवासी का डिस्प्ले), भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन, (आयल कंपनियों के एल.पी.जी एवं पेट्रोलियम सेल्स डिवीज़न के पृथक-पृथक स्टॉल), दुग्ध संघ, स्वास्थ्य विभाग, डाक विभाग, बीमा कंपनी, खाद्य विभाग जिला-भोपाल, न्यूट्रीशनल इंटरनेशनल, प्रमुख स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों द्वारा प्रदर्शनी लगायी जायेगी।

अवधपुरी में श्रीराम कथा महोत्सव, कलश यात्रा से शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अवधपुरी में श्री राम कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कथा व्यास और अयोध्या के पीठाधीश्वर स्वामी अयोध्या दास महाराज संगीतमयी राम कथा का वाचन करेंगे। कार्यक्रम के पहले दिन आज विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कथा का आयोजन 20 से 28 मार्च 2025 तक दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक होगा। आयोजन स्थल मल्होत्रा कॉलेज खेल परिसर, बी.डी.ए. रोड, अमरावद खुर्द, अवधपुरी, भोपाल है।

बीसीआई मान्यता के बगैर संचालित हो रहा सेंट्रल लॉ इंस्टीट्यूट

एमपी में इसी तरह के 135 कॉलेज, हाईकोर्ट ने भोपाल पुलिस कमिश्नर को सौंपी जांच

भोपाल (नप्र)। जबलपुर के सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्टीट्यूट पर भोपाल क्राइम ब्रांच एफआईआर की तैयारी में है। साल 2019 से इसकी बॉर काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) मान्यता समाप्त हो चुकी है। इसके बाद भी महाविद्यालय में लगातार छात्रों को एडमिशन दिया जाता रहा।

सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्टीट्यूट सहित अवैध ढंग से संचालित 135 इंस्टीट्यूट के खिलाफ जांच के आदेश भोपाल पुलिस के कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र को दिए गए थे। जांच में जबलपुर के सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्टीट्यूट को अवैध रूप से संचालित करने की बात साफ हुई। अब क्राइम ब्रांच इस इंस्टीट्यूट के खिलाफ पहली एफआईआर दर्ज करने की तैयारी में है।

हाईकोर्ट ने आपराधिक कार्रवाई करने का निर्देश दिया

11 मार्च को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने बिना मान्यता वाले विधि पाठ्यक्रम (एलएलबी-एलएलएम) में प्रवेश देने वाले कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई का निर्देश दिया। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत

और जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कमिश्नर भोपाल को जांच करने और कानूनी कार्रवाई करने के आदेश दिए।साथ ही, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अधिकारियों को जांच में सहयोग करने के लिए कहा गया है।

छात्रों को काउंसिल में रजिस्ट्रेशन के लिए मना किया

जबलपुर के छात्र वियोम गर्ग, पंकज भट्ट शिक्षा पटेल सहित अन्य ने याचिका दायर कर बताया कि उन्होंने सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्टीट्यूट, जबलपुर से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। हालांकि, कोर्स पूरा करने के बाद जब उन्होंने मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल में रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया, तो उन्हें यह कहकर मना कर दिया गया कि संस्थान की बीसीआई मान्यता समाप्त हो चुकी है। इसका कारण यह था कि संस्थान ने बीसीआई को नवीनीकरण शुल्क जमा नहीं किया था।

हाईकोर्ट ने बीसीआई के इस काम की कड़ी निंदा की

छात्रों ने कोर्ट के समक्ष यह मामला उठाया कि बीसीआई कुछ संस्थानों को बैकडेट पर मान्यता देती है। कुछ मामलों में तो 20 साल बाद पिछली तारीख से मान्यता दी गई। इस प्रथा के कारण उन छात्रों का भविष्य खराब हो रहा है, जो बीसीआई, स्टेट बार, मध्य प्रदेश शासन और विश्वविद्यालय के पोर्टल पर मान्यता के गलत विवरण के आधार पर प्रवेश लेते हैं। हाईकोर्ट ने बीसीआई के इस काम की कड़ी निंदा की है।

हाईकोर्ट ने क्या दिए हैं आदेश

- बीसीआई से मान्यता प्राप्त न होने पर शैक्षणिक संस्थान और विश्वविद्यालयों को अपने पोर्टल पर इसका स्पष्ट उल्लेख करना होगा।
- ऐसे संस्थानों को यह भी साफ करना होगा कि वे केवल शैक्षणिक प्रयोजन के लिए ही विधि पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।
- बीसीआई को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी संस्थान छात्रों के करियर के साथ खिलवाड़ न कर सके।
- सभी विश्वविद्यालय और विधि कॉलेजों को हर कैलेंडर वर्ष के मार्च महीने में अपने पोर्टल को अपडेट करना होगा, ताकि छात्र गुमराह न हों।
- किसी संस्थान की मान्यता समाप्त होने का प्रभाव छात्रों पर नहीं पड़ना चाहिए।
- यदि कोई संस्थान धोखाधड़ी करता है, तो बीसीआई उसके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई कर सकती है।

अगली सुनवाई 25 मार्च को होगी

हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक जांच रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई 25 मार्च को होगी, जिसमें उच्च शिक्षा विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और पुलिस कमिश्नर भोपाल को हाजिर रहना होगा।

20 साल पहले बने असिस्टेंट प्रोफेसर, अब तक रेगुलर नहीं

हायर एजुकेशन में प्रोफेसर के 512 और सहायक प्राध्यापक के 7046 पद रिक्त

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग में प्रोफेसर के 512 एवं असिस्टेंट प्रोफेसर के 7046 पद रिक्त हैं। उच्च शिक्षा विभाग यह बताने की स्थिति में नहीं है कि इन पदों को कब तक भर लिया जाएगा। ऐसे में सरकार को महाविद्यालयों में रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि विद्वानों की नियुक्ति कर पढ़ाई करानी पड़ रही है। उधर बीस साल पहले बैकलॉग से नियुक्त एससी-एसटी वर्ग के 102 सहायक प्राध्यापकों को अब तक रेगुलर नहीं किया जा सका है। ये अभी भी परिवीक्षाधीन सहायक प्राध्यापक हैं।

यह जानकारी उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने विधानसभा में विधायक नितेंद्र सिंह राठौर के सवाल के लिखित जवाब में दी है। विधायक राठौर ने विधानसभा के जरिए सवाल किया था कि उच्च शिक्षा विभाग में प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर के कितने पद रिक्त हैं? उनको कब तक भरा जाएगा? पद रिक्त होने से युवाओं की शिक्षा का जो नुकसान हुआ उसके लिए कौन जिम्मेदार हैं? इसके जवाब में मंत्री परमार ने कहा है कि प्रोफेसर के 512 एवं असिस्टेंट प्रोफेसर के 7046 पद रिक्त हैं।

सहायक प्राध्यापकों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2022 के संबंध में कुछ विषयों की चयन सूचियां जारी की जा चुकी हैं। चयन सूचियां प्राप्त होने के बाद नियुक्ति की कार्यवाही पूर्ण कर रिक्त पदों को भरा जाएगा। इस काम को कब तक कर लिया जाएगा, इसकी समय-सीमा बताई जाना संभव नहीं है। रिक्त पदों से पढ़ाई प्रभावित होने से रोकने इन रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि विद्वान नियुक्त किए जाते हैं जिससे शैक्षणिक व्यवस्था सुचारू रूप से जारी है।

557 कालेज में पदस्थ हैं प्रभारी प्राचार्य

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश में कुल 571 शासकीय महाविद्यालय हैं। इनमें से 14 शासकीय महाविद्यालयों में पदोन्नत प्राचार्य पदस्थ हैं। वहीं 557 शासकीय महाविद्यालयों में प्रभारी प्राचार्य पदस्थ हैं। अतिरिक्त संचालक पद पर पदस्थापना का प्राचार्य पद के साक्षात्कार से कोई संबंध नहीं है। मंत्री परमार ने यह जानकारी विधायक चिंतामणि मालवीय के सवाल के लिखित जवाब में दी। मालवीय ने प्रदेश में कुल सरकारी कालेज और वहां प्राचार्य के रिक्त पदों की जानकारी मांगी थी।

मंडला-बालाघाट में 2 दिन ओले गिरने का अलर्ट

एमपी के आधे हिस्से में आंधी-बारिश; कल 28 जिलों में बादल रहेंगे, बिजली चमकेगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के मंडला, बालाघाट, सीधी-सिंगरौली समेत 7 जिलों में अगले 2 दिन तक ओले गिरने का अलर्ट है। वहीं, प्रदेश के आधे हिस्से में तेज आंधी, गरज-चमक और हल्की बारिश की संभावना है। भोपाल-जबलपुर में भी मौसम बदला रहेगा।

सागर जिले के कई इलाकों में गुरुवार को पानी गिरा। सीहोर में सुबह घने बादल छाए रहे। बूंदाबांदी भी हुई। सुबह 8 बजे तक धूप नहीं निकली। इससे पहले बुधवार को नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, गुना, अशोकनगर, सिंगरौली, सीधी, मऊगंज, शहडोल, उमरिया, डिंडौरी, कटनी, मंडला और मैहर जिलों में मौसम बदला रहा।

बुधवार-गुरुवार की रात उमरिया में 36किमी, सिवनी में 34 किमी और शहडोल में 30 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं भी चलीं। कुछ जगहों पर बौछारें भी गिरीं। भोपाल में बादल छाए रहे। गुरुवार को यहां हल्की बारिश का अलर्ट है। इससे दिन के पारे में गिरावट हो सकती है। रीवा में देर रात बारिश और ओलावृष्टि हुई। पिछले 24 घंटे में 2.6 एमएम पानी गिर चुका है। कई इलाकों में फसलें खराब हो गई हैं।

गुरुवार शाम के बाद मौसम बदल सकता है- मौसम विभाग ने दोपहर में सिंगरौली, पन्ना, सीधी, मैहर, दक्षिणी छतरपुर, विदिशा, उत्तरी उमरिया, कटनी, पश्चिम रीवा और मऊगंज जिलों में बिजली चमकने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। अन्य जिलों में शाम के बाद मौसम बदल सकता है।

अगले 2 दिन ऐसा रहेगा मौसम

21 मार्चः मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, सिवनी, मंडला और बालाघाट में ओले, आंधी और गरज-चमक का ऑरेंज अलर्ट है। जबलपुर, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मैहर, दमोह, सागर, कटनी, उमरिया, डिंडौरी, अनूपपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, सीहोर, हरदा में गरज-चमक के साथ तेज आंधी और हल्की बारिश हो सकती है।

22 मार्चः सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में बूंदाबांदी और बादल रहेंगे।

इस वजह से मौसम में बदलाव

दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के एक्टिव होने की वजह से इन दिनों मौसम बदला हुआ है। वहीं, एक टर्फ भी गुजर रहा है। एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) भी एक्टिव हो गया है। जिसके असर से प्रदेश में बारिश का दौर शुरू होगा।

22 मार्च तक प्रदेश में मौसम बदला रहेगा। इसके बाद पूर्वी हिस्से के पारे में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी। 25 मार्च से पूरे प्रदेश में गर्मी का असर बढ़ेगा।

महीने के आखिरी में चलेगी लू- मौसम विभाग के अनुसार, मार्च के आखिरी दिनों में प्रदेश में फिर से गर्मी का असर देखने को मिलेगा। कुछ इलाकों में लू भी चल सकती है। कई शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। सामान्यतः दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है।

अप्रैल-मई में हीट वेव का असर- बता दें कि मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। अगले 4 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है। इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

अप्रैल-मई सबसे ज्यादा गर्म रहेंगे- मौसम विभाग ने इस साल अप्रैल और मई में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ने का अनुमान जताया है। इन दो महीने के अंदर ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के जिलों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग भी गर्म रहेंगे।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की शाखाएं बंद

5349 कर्मचारी हड़ताल पर, भर्ती और समझौतों के पालन की मांग

भोपाल (नप्र)। बैंक ऑफ महाराष्ट्र में गुरुवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की जा रही है। ऑल इंडिया बैंक ऑफ महाराष्ट्र एम्प्लाइज फेडरेशन के आह्वान पर भोपाल सहित देशभर की 2500 शाखाओं के 5349 बैंक कर्मी हड़ताल पर चले गए हैं। कर्मचारियों ने बैंक के उच्च प्रबंधन की तानाशाही और कर्मचारी विरोधी नीतियों का विरोध किया। हड़ताल के कारण बैंक का कामकाज पूरी तरह से ठप रहा।

राजधानी भोपाल में सैकड़ों हड़ताली कर्मचारी सुबह 11 बजे टीटी नगर स्थित बैंक शाखा के सामने एकत्रित हुए। मध्य प्रदेश बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन के बैनर तले अन्य बैंकों के कर्मचारियों ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रदर्शन के बाद सभा हुई, जिसमें बैंक कर्मचारी नेताओं वीके शर्मा, दीपक रत्न शर्मा, अशोक पंचोली, किशन खैराजानी, कैलाश माखीजानी, गुणशेखरन, जेपी दुबे, सत्येन्द्र चौरसिया, प्रभात खरे, राजीव उपाध्याय, योगेश मनूजा, बीएल पुष्पद, उमेश शाक्या, प्रदीप कटारिया, अवध

वर्मा एवं महिला प्रतिनिधि के रूप में निश्चला शर्मा आदि ने संबोधित किया।

वक्ताओं ने बताया कि पिछले एक दशक में बैंक के कारोबार में लगभग 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि कर्मचारियों की संख्या में लगभग 40 प्रतिशत की कमी हुई है। हालांकि इस अवधि के दौरान उन्नत प्रौद्योगिक पेश की गई है एवं अन्य वैकल्पिक वितरण चैनलों को मजबूत किया गया है। सरकार के जन, धन, जीवन सुरक्षा, जीवन ज्योति, अटल पेंशन, मुद्रा, स्वनिधि, फसल ऋण, फसल बीमा आदि जैसे अन्य कई प्रकार की सरकारी योजना/ व्यवसाय को जिम्मेदारियां दी गई हैं।

जिसके फलस्वरूप काउंटरों पर काम के बोझ में अभूतपूर्व असर हो रहा है। ग्राहक सेवा पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इसके बाद भी यदि बैंक ऑफ महाराष्ट्र के उच्च प्रबंधन द्वारा मांगों का सम्मानजनक निराकरण नहीं किया तो अनिश्चतकालीन राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल की जाएगी।

7 दिन छुट्टी पर रहेंगे 23000 पंचायत सचिव

26 मार्च से 1 अप्रैल तक लेंगे सामूहिक अवकाश; वेतन नहीं मिलने से नाराज

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के करीब 23 हजार पंचायत सचिव 7 दिन के सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। वे 26 मार्च से 1 अप्रैल तक छुट्टी लेंगे। तीन से चार महीने का वेतन नहीं मिलने के चलते भी वे नाराज हैं और अब सड़क पर उतरेंगे।

मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन के अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया, 7 सूत्री मांगों को लेकर संगठन के 313 ब्लॉक और 52 जिला मुख्यालय के ब्लॉक- जिला अध्यक्ष कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपेंगे। इसमें बताया जाएगा कि 25 मार्च तक यदि मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो 26 मार्च से वे सामूहिक अवकाश पर चले जाएंगे।

7 दिन में निराकरण नहीं तो आगे बढ़ेगी हड़ताल

अध्यक्ष शर्मा ने बताया, फिलहाल 7 दिन तक सामूहिक अवकाश पर रहने का निर्णय लिया है। इस अवधि में भी सरकार ने पंचायत सचिवों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो हड़ताल को आगे बढ़ा देंगे। मांगें पूरी होने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे।

इन मांगों को लेकर अवकाश पर जाएंगे

- हर महीने 1 तारीख को वेतन देने के आदेश जारी हो। अभी तीन से चार महीने तक वेतन नहीं मिल रहा है।
- मुख्यमंत्री की घोषणा और आदेश जारी होने के 20 महीने बाद भी समयमान वेतनमान का सचिवों को लाभ नहीं मिल पाया है। यह तत्काल हो।
- शासकीय कर्मचारियों की तरह सभी सुविधाएं मिलें।
- हर महीने प्रदेश की 313 जनपद में से 50त्न में वेतन के लिए लाले होते हैं। इसलिए बजट में अलग से प्रावधान किया जाए।
- सचिवों के पांचवें और छठवें वेतनमान में सेवा काल की गणना नियुक्ति दिनांक से करें।
- अनुकंपा नियुक्ति के शेष बचे पिछड़ा वर्ग और वंचित अनुकंपा की 100 प्रतिशत नियुक्तियां हो।
- विभाग में संविलियन की मांग पूरी हो।

म.प्र.में गर्मी के पहले ही गांवों में जलसंकट गहराया

विधायकों, सांसदों के बिना हो गई जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठकें

भोपाल (नप्र)। भोपाल से करीब 70 किलोमीटर दूर स्थित बिसनखेड़ी गांव में जल संकट गहराने लगा है। ग्रामीणों को पानी के लिए दो किलोमीटर दूर एक गड्ढा खोदना पड़ा है। वे उस गड्ढे के मटमैले पानी को कपड़े से छानकर प्लास्टिक के ड्रमों में भरते हैं और बैलगाड़ी के जरिए घरों तक ले जाते हैं। यह गांव मध्य प्रदेश सरकार के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के इछावर विधानसभा क्षेत्र में आता है। सीहोर जिले के शिवराज सिंह चौहान करीब 18 साल तक मुख्यमंत्री रहे, इसके बावजूद यह गांव जल संकट से जूझ रहा है।

हर विधानसभा सत्र में बिसनखेड़ी जैसे सैकड़ों गांवों के जल संकट की चर्चा होती है। विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में जल संकट और जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पाइपलाइनों में हुए भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हैं। इस बार भी विपक्ष ने जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। हालांकि, कुछ हद तक जल आपूर्ति योजनाओं से समस्या का समाधान हुआ है, लेकिन कई जगहों पर जमीनी हकीकत सरकारी दावों से अलग है।

मंत्री ने दिया था आश्वासन, जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में होगी समीक्षा बैठक

पिछले साल 5 जुलाई 2024 को विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि कलेक्टर अब जल जीवन मिशन की बैठकों में सभी जनप्रतिनिधियों को बुलाएंगे और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की समीक्षा करेंगे। यह बैठक हर महीने होगी। यदि इसके बाद भी कोई शिकायत रहती है, तो अधिकारी को भेजकर समस्या का समाधान करवाने का प्रयास किया जाएगा।

विजयवर्गीय की विधानसभा में की गई इस घोषणा के बावजूद अधिकारियों ने सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों को बुलाए बिना ही जल जीवन मिशन की बैठकें कर लीं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के एक सवाल के जवाब में यह जानकारी सामने आई है।

संपादकीय

यह कैसा फैसला?

अदालतें इंसाफ के लिए होती हैं। एक आम नागरिक यही मानता है कि वह कोर्ट जाएगा तो उसे न केवल न्याय मिलेगा बल्कि दोषी को सजा भी मिलेगी। लेकिन यदि अदालतें ही न्याय का रास्ता भटकाने की कोशिश करें, अपराध की अपने हिसाब से व्याख्या करें तो कोर्ट की संवेदनशीलता और न्याय प्रतिबद्धता पर सवाल उठना लाजिमी है। ऐसा ही एक मामला हाल में इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले से सामने आया है। नाबालिग से बलात्कार के मामले में हाई कोर्ट के जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा के फैसले पर कई सवाल उठ रहे हैं। अपने फैसले में उन्होंने कहा कि किसी नाबालिग लड़की के स्तनों को पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना या उसे घसीटकर पुलिया के नीचे ले जाने की कोशिश करना रेप या रेप की कोशिश का मामला नहीं बनता है। यही नहीं जस्टिस मिश्रा ने केस को अपराध की तैयारी और वास्तविक प्रयास के बीच का अंतर बताया। साथ ही निचली अदालत के द्वारा तय गंभीर आरोप में संशोधन का आदेश दिया। अदालत ने 3 आरोपियों के खिलाफ दायर क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन स्वीकार कर ली। अदालत ने आरोपी आकाश और पवन पर IPC की धारा 376 (बलात्कार) और पॉस्को अधिनियम की धारा 18 के तहत लगे आरोपों को घटा दिया। अब उन पर धारा 354 (b) (नंगा करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और POCSO अधिनियम की धारा 9/10 (गंभीर यौन हमला) के तहत मुकदमा चलेगा। निचली अदालत को नए सिरे से सम्मन जारी करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि कासगंज की एक महिला ने 12 जनवरी, 2022 को कोर्ट में एक शिकायत दर्ज कराई थी। उसका आरोप था कि 10 नवंबर 2021 को वह अपनी 14 साल की बेटी के साथ कासगंज के पटियाली में देवरानी के घर गई थीं। उसी दिन शाम को अपने घर लौट रही थीं। रास्ते में गांव के रहने वाले पवन, आकाश और अशोक मिल गए। रास्ते में पवन और आकाश ने लड़की के प्राइवेट पार्ट को पकड़ लिया। आकाश ने उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करते हुए उसके पायजामे की डोरी तोड़ दी। हैरानी की बात यह है कि पॉस्को मामले में सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट कह चुका है कि किसी बच्चे के यौन अंगों को छूना या 'यौन इरादे' से शारीरिक संपर्क से जुड़ा कोई भी कृत्य पॉक्सो एक्ट की धारा 7 के तहत यौन हमला माना जाएगा। इसमें महत्वपूर्ण बाद इरादा है न कि त्वचा का त्वचा से संपर्क। हैरानी की बात है कि इस स्पष्ट फैसले के बाद भी हाईकोर्ट ने दुष्कर्म की नई व्याख्या कैसे की? जिससे आरोपी को ही मदद मिलेगी। भाजपा सांसद सांसद और राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा का यह कहना सही है कि अगर जज ही संवेदनशील नहीं होंगे, तो महिलाएं और बच्चियां क्या करेंगी? सांसद ने यह भी कहा कि जजों को समझाया जाना चाहिए कि वे ऐसे फैसले नहीं दे सकते। यह पूरी तरह गलत है, और मैं इसके खिलाफ हूं। इसके पूर्व बॉम्बे हाईकोर्ट की एडिशनल जज पुष्पा गनेडीवाला ने जनवरी, 2021 में यौन उत्पीड़न के एक आरोपी को यह कहते हुए बरी कर दिया था कि किसी नाबालिग पीड़िता के निजी अंगों को स्किन टू स्किन संपर्क के बिना टटोलना पॉक्सो में अपराध नहीं मान सकते। हालांकि बाद में इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया था। लगता है कि हाई कोर्ट ने इस नजीर को भी नजर अंदाज किया। यह मानना कि जब तक त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हो, तब तक कोई कृत्य दुष्कर्म नहीं माना जा सकता, यौन अपराधियों को अपराध का स्पेस देने जैसा है। यह नैसर्गिक न्याय की अपेक्षा के अनुकूल तो कतई नहीं है।

नजरिया

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और संघ

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार देश के शीर्ष पर बैठे किसी व्यक्ति या प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर इतने विस्तार से बातचीत की है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ तीन घंटे के अपने लंबे पॉडकास्ट में अनेक विषयों बातचीत की जिनमें संघ भी एक महत्वपूर्ण विषय था। अगर साक्षात्कार लेने वाला दुराग्रह या पूर्वाग्रह न पाले तो सकारात्मक दृष्टि से उसके साथ बातचीत संभव है और इससे सही परिप्रेक्ष्य लोगों के समक्ष आता है। हाल के दिनों में प्रधानमंत्री ने तीसरी बार संघ पर अपना मत प्रकट किया है और सबमें सुसंगती है , स्वर एक ही है। पिछले 21 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित 100 वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा था कि वेद से विवेकानंद तक भारत की महान परंपरा और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक संस्कार यज्ञ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से चला रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मेरे जैसे लाखों लोगों को आरएसएस ने देश के लिए जीने की प्रेरणा दी है। उसके पहले 12 अक्टूबर, 2024 को संघ के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने पर सरसंचालक डॉ. मोहन भागवत के एक वीडियो का लिंक साझा करते हुए उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया था कि राष्ट्र सेवा में समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस आज अपने 100 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। अविरल यात्रा के इस ऐतिहासिक पड़ाव पर समस्त स्वयंसेवकों को मेरी हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनायें। मां भारती के लिए यह संकल्प और समर्पण देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करने के साथ ही विकसित भारत को साकार करने में भी ऊर्जा भरने वाला है। फ्रिडमैन के साथ उन्होंने संघ की विचारधारा ,उत्पत्ति, संगठन की कला और उससे जुड़े संगठनों के विराट स्वरूप पर बातचीत की है।

राजनीतिक विश्लेषक मानेंगे कि प्रधानमंत्री लोकसभा चुनाव के दौरान एक वक्तव्य से पैदा संभ्रम को समाप्त कर पूरे संगठन परिवार में सही संदेश स्थापित करने की दृष्टि से ऐसा कर रहे हैं। देखने वालों की दृष्टि है किंतु संघ के स्वयंसेवक और संगठन परिवार के कार्यकर्ता इसे संपूर्ण जीवन लगा देने वाले एक वरिष्ठ स्वयंसेवक के सही मंतव्य के रूप में ही लेंगे। वास्तव में जिन्हें संघ समझना हो वे इसे उस रूप में लेंगे तो समस्या नहीं आएगी। अभी भी आप संघ के बारे में प्रत्यक्ष साकार से परे दुराग्रह, वैचारिक विरोध य घृणा के कारण लिखने - बोलने के आलोक में देखेंगे तो सही निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते। प्रधानमंत्री के पूरे वक्तव्य का मूल समझना हो तो उनकी इस पंक्ति को आधार बनाना होगा कि आरएसएस आपके जीवन में एक स्पष्ट दिशा प्रदान करता है जिसे वास्तव में जीवन का उद्देश्य कहा जा सकता है। दूसरी बात, राष्ट्र सब कुछ है और लोगों की सेवा करना भगवान की सेवा के समान है यह वैदिक युग से कहा गया, हमारे ऋषि मुनियों ने जो कहा, विवेकानंद जी ने जो कहा उसका संघ प्रतिनिधित्व करता है। आरएसएस पर निष्पक्षता से अध्ययन करने वाले उनके इस बात से शत- प्रतिशत सहमत होंगे। संघ को संघ की दृष्टि से

समझने की कोशिश करने वाले प्रधानमंत्री के इस मत को भी स्वीकार करेंगे कि संघ को समझना इतना आसान नहीं है। इसके काम की प्रकृति को वास्तव में समझने के लिए प्रयास करना पड़ता है। उन्होंने अपने बारे में स्पष्ट किया कि उनके जीवन में एक दिशा, राष्ट्र की सेवा और लक्ष्य को पाने की प्रेरणा, संकल्प तथा काम करने की अंतःशक्ति केवल संघ के स्वयंसेवक होने के कारण मिले जो बाद में अध्यात्म और संतों के कारण सशक्त होते हुए आगे बढ़ा। उनका कहना था कि मुझे ऐसे पवित्र संगठन से जीवन के मूल्य हासिल करने का सौभाग्य मिला है। संघ के माध्यम से मुझे एक उद्देश्यपूर्ण जीवन मिला, फिर मुझे संतों के बीच कुछ समय बिताने का सौभाग्य मिला जिसने मुझे एक मजबूत आध्यात्मिक आधार दिया, मुझे अनुशासन और उद्देश्यपूर्ण जीवन मिला।

वास्तव में यह आम सक्रिय स्वयंसेवकों के सामूहिक अनुभवों की श्रेष्ठ अभिव्यक्ति है। संघ के स्वयंसेवकों से पूछिए कि संघ आपको क्या सिखाता है तो कहेंगे कि जिस तरह हम परिवार की चिंता करते हैं उसी तरह देश की करें। दूसरी बात यह बताएंगे कि कोई हमारा सहयोग करे न करे, साथ आए न आए उसका प्रयास करते हुए भी राष्ट्र की सेवा, आमजन की सेवा, उन्हें समुन्नत शिक्षित करते हुए देश को परम वैभव तक ले जाना है। स्वयंसेवक से जब आप राजनीति पर प्रश्न करेंगे तभी शायद कोई उत्तर मिलेगा और अनेक उत्तर भी नहीं देंगे। राजनीति हम पर इतना हावी है कि उसके बाहर हम सोचने और देखने की आसानी से कल्पना नहीं करते इसलिए यह चरित्र समझ में नहीं आता। प्रधानमंत्री मोदी ने इसलिए संघ के विविध कार्यों को भी फ्रिडमैन के माध्यम से दुनिया के समक्ष रख दिया है।

अब विश्व समुदाय को महसूस होगा कि वाकई 100 वर्षों में इस संगठन ने मुख्यधारा के ध्यान से दूर रहकर अनुशासन और भक्ति के साथ स्वयं को देश सेवा, मानवता की सेवा में समर्पित किया है और इसी कारण आज विश्व में इससे बड़ा कोई संगठन नहीं और न इतने बड़े संगठन परिवार बनने की कोई सोच सकता है। उदाहरण के लिए उन्होंने संघ के अनुषांगिक संगठनों में सेवा भारती की चर्चा की जो 1 लाख 25 हजार सेवा परियोजनाएं बिना सरकारी सहायता केवल समाज की मदद से चला रहा है। यह उन झुग्गी - झोपड़ियों और बस्तियों में बच्चों को पढ़ाने, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखने, स्वच्छता के साथ अन्य प्रकार की मदद देने का काम करते हैं जहां सबसे गरीब लोग रहते हैं। दूसरे, वनवासियों के बीच संघ का बनवासी कल्याण आश्रम आज जंगलों में पूरा समय लगाकर जनजातियों की सेवा के काम करने में लगा है जो 70 हजार से ज्यादा एकल विद्यालय चलता है। उन्हें धन कैसे मिलता है तो प्रधानमंत्री के अनुसार अमेरिका के कुछ लोग 10 से15 डॉलर दान देते हैं और उन्हें कहा जाता है कि एक कोका कोला नहीं पीयो उतना पैसा विद्यालय को दो और फिर एक महीने कोका कोला छोड़ दो और उस पैसे को एकल विद्यालय को दो। यह बाहर से समझ नहीं आएगा । जरा सोचिये कि इतनी संख्या में एकल शिक्षक इतने बच्चों को वर्षों से शिक्षित कर रहे हैं तो कितने छात्र इससे निकले होंगे और उन्हें आत्मनिर्भर बनने और राष्ट्र के लिए काम करने की प्रेरणा मिलती है। इसी तरह स्वयंसेवकों ने शिक्षा में क्रांति के लिए विद्या भारती की स्थापना की जिसके इस समय लगभग 25 हजार विद्यालय हैं जिनमें 30 लाख से ज्यादा छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। आसानी से कल्पना की जा सकती है कि इतने वर्षों में कितने करोड़ छात्र निकले होंगे और वहां से प्राप्त समग्र शिक्षा के साथ जीवन मूल्य,कौशल आदि से वो समाज पर बोझ न बनाकर परिवार और राष्ट्र की सेवा का समन्वय बनाते हुए काम कर रहे होंगे। जानकारों को पता है कि समाज जीवन का कोई क्षेत्र नहीं जहां संघ नहीं- महिला, युवा, छात्र, मजदूर सभी क्षेत्रों में संघ संगठनों के माध्यम से सक्रिय है। आज छात्रों के बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद केवल भारत नहीं विश्व का सबसे बड़ा संगठन है तो भारतीय मजदूर संघ 50 हजार यूनियन चलाता है वह भी दुनिया का सबसे बड़ा मजदूर संघ है। अन्य संगठनों से अलग इसकी दृष्टि वही है। प्रधानमंत्री ने बिल्कुल सही कहा कि वामपंथी विचारधाराओं ने दुनिया के मजदूर एक हो जाओ का नारा देते हुए बताया कि पहले आप एक हो जाओ और हम बाकी कुछ संभाल लेंगे। संघ प्रशिक्षित स्वयंसेवकों के मजदूर संघों का नारा दिया, 'मजदूर दुनिया को एक करो'। आप सोचिए जो लोग संघ को विभाजनकारी मानते हैं उसने इस छोटे से शब्द के द्वारा कितना बड़ा बदलाव सोच और व्यवहार में लाया होगा।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री स्तर के व्यक्ति द्वारा संघ के बारे में इस तरह बात करने के बाद राजनीतिक कारणों से उसके विरोध में खड़े लोगों को छोड़ दें तो विश्व भर के थिंक टैंक, बुद्धिजीवी, पत्रकार, नेता, एक्टिविस्ट, समाजसेवी, एनजीओ चलाने वाले आदि नई दृष्टि से मूल्यांकन करेंगे। उन्होंने जो कुछ कहा वह अमूर्त नहीं है जिसे देखा और समझ न जा सके। प्रधानमंत्री के बोलने के बाद संपूर्ण विश्व में संघ को देखने की जो दृष्टि बनेगी उसके आलोक में योजनानुसार भारत सहित सम्पूर्ण विश्व में प्रचार, सुदृढ़ीकरण, कार्य विस्तार के लिए संघ की कार्ययोजना हो। स्वयंसेवकों व कार्यकर्ताओं का भी दायित्व है कि प्रधानमंत्री के कथनों का स्वरूप विस्तार से साकार दिखे उसके लिए सतत कार्य में लगे रहें।

विश्व राजनीति

ऋतुपर्ण दवे

लेखक पत्रकार हैं।

ट्रम्प के टैरिफ से दुनिया में नया टेरर

अमेरिका में इस बार चुनाव के दौरान ही ट्रंप के आक्रामक तेवर बता रहे थे कि वो न केवल नया कुछ करेंगे बल्कि सभी राष्ट्रपतियों से बड़ी लकीर खीचेंगे। 13 जुलाई 2024 को उन्हें मारने की कोशिश के दौरान चली गोली जो कान छूते निकली और पूरे चुनावी रुख को बदल डाला। कहीं मौत और ट्रंप के बीच का सेकेंड्स से भी कम का ये फासला ही सख्त तेवरों की वजह तो नहीं? उनके मुंह से तब निकले फाइट, फाइट, फाइट शब्द अब हकीकत में दुनिया के लिए चुनौती बन रहे हैं। ट्रंप कड़े और बड़े फैसले लेकर सबसे 'फाइट' कर रहे हैं। क्या उनका दूसरा कार्यकाल अमेरिका और दुनिया में नया इतिहास रचेगा? सबसे ज्यादा परेशानी और हैरानी उनकी हालिया टैरिफ घोषणाओं से है जो दुनिया में चिंता का सबब है।

आखिर टैरिफ है क्या? जिससे ट्रंप की घोषणा के बाद बड़ा वैश्विक भूचाल आया? यह दूसरे देशों से आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला टैक्स है। जिसका भुगतान आयातक करते हैं। किसी वस्तु पर 10 फीसदी टैरिफ का मतलब भारत से अमेरिका पहुंची 5 डॉलर की उस वस्तु पर 0.50 डॉलर का अतिरिक्त टैक्स है। इससे आयातित वस्तु का दाम बढ़ता है और खरीददार सस्ते घरेलू उत्पाद ढूंढने लगते हैं। नतीजन आयात करने वाले देश को अपनी अर्थव्यवस्था बढ़ाने में सहयोग मिलता है। लेकिन ट्रंप का नजरिया अलग है। वो इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था बढ़ाने, नौकरियों की रक्षा करने और कर राजस्व बढ़ाने के तौर पर देखते हैं।

दुनिया के अमीरों में शुमार दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट जिनके बारे में कहा जाता है कि वो दुनिया के शेयर बाजार की चाल को नियंत्रित करते हैं भी ट्रंप के इस कदम से नाखुश हैं। बफेट टैरिफ नीतियों को युद्ध जैसा कदम मानते हैं। महंगाई और उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंकाएं जताते हैं। इससे दीर्घकालीन अवधि में आर्थिक प्रभावों पर दुष्प्रभाव तथा आम उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंका जताते हैं। बफेट की टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ट्रंप के चीन, कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा के बाद आई। इससे ग्लोबल ट्रेड वॉर और बढ़ा

जो निवेशकों की गहरी चिंता का सबब है।

टैरिफ पर अमेरिका और चीन आमने-सामने हैं। चीन चेतावनी दे चुका है कि वो इससे निपटने खातिर तैयार है। अमेरिकी दबाव का मुकाबला करेगा। चीनी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ते ही दुनिया की दो दिग्गज अर्थव्यवस्थाओं के मध्य व्यापार युद्ध के आसार झलकने लगे हैं। चीनी विदेश मंत्री वांग का बयान कि यदि कोई देश केवल अपने हित आगे बढ़ाने लगे तो दुनिया में जंगल का कानून लागू हो सकता है। उन्होंने याद दिलाया कि अमेरिका को फेंटेनाइल महामारी से निपटने में बीजिंग का सहयोग नहीं भूलना चाहिए। क्या वाशिंगटन इस उदारता का बदला अकारण टैरिफ बढ़ा ले रहा है? सच है कि चीन लंबे समय से विश्व का कारखाना बना हुआ है। 1970 के आखिर में जैसे ही चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था दुनिया के लिए खोली तबसे सस्ते श्रम और बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश के चलते ऊंचाइयां छूता चला गया। शायद ट्रंप को यही चीनी सफलता चुभ रही हो? दुनिया की निगाहें ट्रंप के टैरिफ युद्ध खासकर चीन की मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री पर है कि उसे कितना नुकसान पहुंच सकता है।

दूसरी ओर ट्रंप इस बार अपने व्यापारी मित्रों, सहयोगियों और सलाहकारों से ज्यादा घिरे दिखते हैं। टैरिफ उनके इकोनॉमिक प्लान्स का हिस्सा है। इससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार बढ़ेंगे। गौरतलब है कि उनके खास मित्र एलेन मस्क भारत में संभावनाओं को खोज ही रहे थे कि ट्रंप की सत्ता वापसी हुई। माना कि मस्क की टेस्ला कार की कीमत एक करोड़ होगी उस पर भारत में उतना ही टैरिफ लगेगा जिससे यहां कीमत दो करोड़ हो जाएगी। यदि दबाव के चलते कहीं शून्य टैरिफ वाली स्थिति बनी तो वही कार एक करोड़ में भारत में मिलेगी। इससे भारतीय कार बाजार को जबरदस्त चुनौती तय है।

यकीनन बात बहुत बिगड़ चुकी है। भारत समझता है कि ट्रंप जब कनाडा, यूरोपीय देशों और चीन को भी नहीं बख्श रहे तो भारतीय हितों व सम्मान की रक्षा खुद करनी होगी। वहीं ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस के पहले संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ऐतिहासिक भाषण दिया। इसमें भारत का नाम फिर उन देशों के साथ लिया जिन्होंने अपनी ऊंची शुल्क दर से नरम अमेरिकी नीति का फायदा उठाया। अमेरिका आगामी दो अप्रैल से इन देशों पर 'जैसे को तैसा' या 'आंख के बदले आंख' की तर्ज पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा। जो देश जितना टैरिफ अमेरिकी कंपनियों पर लगाएगा, अमेरिका भी उतना ही अपने यहां लगाएगा। इससे भारतीय एक्सपोर्ट महंगा होगा। खाद्य पदार्थ, टेक्सटाइल्स, कपड़े, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, जेम्स एंड ज्वेलरी, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोबाइल सामग्रियां अमेरिकी बाजार में महंगी होंगी। नतीजन भारतीय उत्पाद वहां अभी जैसे नहीं टिक पाएंगे।

1951 में अमेरिकी संविधान में 22वें संशोधन के बाद कोई भी व्यक्ति दो बार राष्ट्रपति रह सकता है। ट्रंप आखिरी टर्म में वो कर गुजरना चाहते हैं जो इतिहास बने। वहीं उनके व्यापारी मित्र अपने व्यापारिक हितों में लिपटे दिखते हैं। ट्रंप की मंशा को समझना आसान भी नहीं क्योंकि वो खुद नहीं जानते कि अगले पल क्या कर गुजरेंगे?

जिद्दी ट्रंप किसी मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को नहीं मानते। न यही बताते कि पुराने अमेरिकी प्रशासनों ने ऐसे देशों को क्यों ऊंची दर से शुल्क लगाने दिया। वो अड़ी में हैं। हाल ही में व्हाइट हाउस में ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कैमरों पर जो अप्रिय विवाद दिखा उसकी चहुंओर निंदा हुई। शांति की कीमत के बदले ट्रंप की यूक्रेनी खनिज भंडारों पर कब्जे की मांग यकीनन निंदनीय है। ट्रंप की नीयत ही बदनीयत लगती है। कहीं वो दुनिया को नए ट्रेड वार में धकेल उससे भी कमाने का रास्ता तो नहीं खोज रहे?

अदम्य साहस, धैर्य की प्रतीक

सुनीता विलियम्स

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

बुधवार 19 मार्च का दिन ना केवल नासा, स्पेस साइंस के वैज्ञानिकों बल्कि भारत के लिये ऐतिहासिक और गौरवशाली के रूप में इतिहास में दर्ज होगा। तकरीबन 09 महीने (286 दिन) इंटरनेशनल स्पेस सेंटर में व्यतीत कर अंततः भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयात्री बुच विलमोर 19 मार्च को तड़के 3.28 बजे सुरक्षित धरती पर लौट आये। जबकि उनकी इस यात्रा की निर्धारित अवधि महज आठ दिन की थी। बुधवार के तड़के फ्लोरिडा के तट पर समंदर में उनका सफल लैंडिंग हुआ और वे सकुशल वापसी पर खुशी से झूम उठी। निश्चित ही यह क्षण हम भारत के लोगों के लिये और भी ज़्यादा प्रसन्ता तथा गौरव का है कि सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की होकर गुजरात के एक गांव से ताल्लुक रखती हैं। इस गांव में सुनीता की कामयाबी पर जुलूस निकालकर खुशियां मनाने की खबरें आ रही हैं।

यह मिशन इतना आसान भी नहीं था। तभी नासा के वैज्ञानिकों सहित विश्व भर की निगाहें इसकी सफलता पर टिकी हुई थी। अंतरिक्ष से इनकी वापसी को लेकर तमाम अटकलों, अनुमानों, आशंकाओं पर भी विराम लग गया है। भारत की बेटी की वापसी की बेसब्री से सभी को इंतजार था। आखिर उनके साथी तथा क्रू 9 के अन्य सदस्य भी सुरक्षित लौट आये हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिये कि वर्षों पूर्व कल्पना चावला के धरती पर वापसी के वक्त किस तरह वे हादसे का शिकार होकर अंतरिक्ष से लौट नहीं सकी थी।

बहादुरी, धीरज का परिचय देकर तथा कठिन परिस्थितयों और विपरीत वातावरण में लम्बे समय तक रहकर इन दोनों ने एक नई मिसाल पेश की है। निश्चित ही अंतरिक्ष स्टेशन पर रहकर इन्होंने अनेक एक्सपेरिमेंट, शोध, अनुसंधान और खोज की होगी, नये प्रयोग किये होंगे जिनके नतीजे आने वाले समय में सामने आ सकेंगे। उनके अनुभवों का लाभ आगे की अंतरिक्ष यात्राओं में भी मिल सकेगा, यह उम्मीद की जाना चाहिये।

एक ऐसे वक्त में जब इंसान समंदर की गहराईयों से लेकर अंतरिक्ष, चंद्रमा, मंगल ग्रह, ब्रम्हांड आदि के रहस्य रोमांच को जानने समझने को उतावला है तब यह यात्रा इस दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है। अंतरिक्ष विज्ञान सहित अन्य रोमांचकारी कठिन क्षेत्रों में प्रायवेट प्लेयर्स का प्रवेश और भी नई उम्मीदों के द्वार खोलता नजर आता है। अब तो अंतरिक्ष पर्यटन की बात सामने आ रही है हालांकि यह फिलहाल धनकुबेरों का खेल लगता है। एआई तथा रोबोटिक प्रयोग के प्रवेश से भी इस क्षेत्र में कुछ नया अध्याय जुड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

भारत के ही प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने इतिहास रचा था। तब उनसे अंतरिक्ष यान में धरती से तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा जी ने बात कर पूछा था कि भारत आपको वहां से कैसा नजर आता है? तब राकेश शर्मा ने कहा था कि 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा।'

वर्तमान प्रधान मंत्री मोदी जी ने भी सुनीता विलियम्स को पत्र लिखकर उनकी कामयाबी पर बधाई दी है। विगत वर्ष भारत के इसरो के वैज्ञानिकों ने चांद पर मानव रहित यान सफलतापूर्वक भेजने और लैंडिंग कराने में कामयाबी हासिल कर देश के गौरव को बढ़ाया था। इस दिशा में निरंतर और भी प्रयास जारी है।

सुनीता विलियम्स और उनके साथी सुरक्षित वापसी अवश्य हो गई है लेकिन अभी आगे भी उन्हें कुछ जरूरी मेडीकल जांचों, परीक्षणों और प्रभावों की प्रक्रिया से गुजरना होगा। नासा के एक अधिकारी के अनुसार निश्चित रूप से यह एक चुनौतीपूर्ण अनुभव था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक तो सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में सर्वाधिक समय बिताने और मुश्किलों का सामना कर सुरक्षित लौटने वाली अंतरिक्ष यात्री बन गई हैं। डॉ अमिताभ घोष के अनुसार स्टार लाइन से इनकी वापसी में तकनीकी अड़चनों की वजह से प्लान बदला गया और सब कुछ इस प्लान के मुताबिक संभव हो सका। पुनश्च- बहुत-बहुत बधाई सुनीता और विलमोर।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

रेलों के भाग्य में...

जब रेल पटरी से उतरने लगे तो चिन्ता होना स्वाभाविक है। उस पर रेलमंत्री का आये दिन बिहार चले जाना, सोने में सुहागा है। रेलों में क्या नहीं हो रहा। बलात्कार तो मामूली सी घटना बनकर रह गया है। खुलेआम सामूहिक बलात्कार और रेल प्रशासन मुआवजे तक बात सीमित कर बात को रफा-दफा कर लेना चाहता है। जिस हिसाब से रेलों की गति बढ़ी है, अपरोधों का ग्राफ भी उसी गति से बढ़ रहा है। आदमी रेल टिकिट लेता है और सुरक्षा के नाम पर मिलती है तोहमत। सुरक्षित रेल यात्रा अब मुश्किल लगने लगी है। जैसे आजकल लोग नाइट शो देखने नहीं जाते हैं, उसी तरह रात्रि में रेलयात्रा एकदम असुरक्षित हो गई है। रेलें अपराध स्थल तो बन ही गई हैं, साथ ही साथ रोज टकरा रही हैं और पटरियों से उतरकर मौत का ताण्डव कर रही हैं। रेलों की व्यवस्था कैसे सुधरे, इस पर सरकार और रेलमंत्री को एक साथ ध्यान देना चाहिए।

रेलों की गति और संख्या बढ़ाये जाने से कोई सुव्यस्थित कार्य योजना नहीं बनती है। गुण्डों, लुच्चे, लफंगों को रेलों में बैठने से रोकना होगा और कानून की सख्ती से उन्हें कड़े रूप में दण्डित करने की आवश्यकता है। रेलमंत्री किसी उस आदमी को बनाया जाना चाहिए, जो संवेदनशील हो। किसी ने दबाव बनाया कि मुझे रेलमंत्री बनाओ और प्रधानमंत्री ने उसे रेल मंत्रालय ऑफर कर दिया, यहाँ यही चिंतनीय है। प्रधानमंत्री ऐसे हो गये हैं, जैसे उन्हें उनकी सरकार के अन्य मंत्रालयों से कोई लेना-देना नहीं है। अपने प्रधानमंत्री तक सीमित होकर रह गये हैं। ऐसा गठबंधन तैयार हुआ है कि सबको मनमर्जी से कुछ भी करने की आजादी मिल गई है। ऐसे दबावों से सरकारें नहीं चला करती। जो लोग सही काम नहीं कर रहे, उन्हें हटा देना चाहिए। केवल सीधे-सादे सज्जनता का लेबल लगाये रखने से देश नहीं चलता। रेलें रोज लाखों लोगों को उनके गन्तव्य तक पहुंचाने का महती कार्य करती हैं। यही कार्य सुरक्षित नहीं है तो इसके दुरूस्त करने की व्यावहारिक रूप से आवश्यकता है।

रेलमंत्री बने तो क्रान्तिकारी परिवर्तन की बात कर रहे थे और जब अर्सा बीत गया तो कुल्हड़ में हुल्लड़ की छूट दे दी गई। यात्रियों को यह देंगे, वह देंगे, किराया कम लेंगे, कुल्हड़ में चाय देंगे, लेकिन जो बिहार से लाये थे, वह पूरा का पूरा रेल में झोंक दिया। खुद की रेल पटरी पर दौड़ती रहे और पटरी वाली रेल जाये भाड़ में। पत्नी से सत्ता छिन जाने का इतना मलाल कि रेलों में फैल रहे अपराध और अव्यवस्थायें उन्हें दिखाई ही नहीं दे रहीं। गठबंधन की नेता भी चुप हैं, उनसे ऐसे मंत्रणा करती दिखाई देती हैं, मानों वे किसी ज्ञानी पुरूष से संवाद कर रही हों। जिसे सबने रिजेक्ट कर दिया, उसे आपने एडजस्ट कर लिया।

चलो ठीक है उनका रेलमंत्री बने रहना तालमेल की दृष्टि से जरूरी लगता है तो उन्हें रेलों में प्रशासनिक तंत्र ठीक करने को तो कहो। रेल की बात कम और बिहार की ज्यादा। वहाँ सत्ता बदल गई तो पेट में दर्द हो रहा है कि वे कहीं बिहार को नया नहीं बना दें। अरे क्यों चिंता करते हो बिहार तो बिहार ही रहने वाला है। आप तो रेल संभालो और बलात्कारों को रोको।

मेरे एक मित्र हैं, रेलमंत्री क बड़े फैन हैं, कहने लगे- 'आदमी बढ़िया है। अब जनता ही बिगड़ गयी है, हर जगह गुण्डा-गर्दी और अपराध बढ़ रहे हैं, वे क्या करें?' मैंने कहा-'कानून का राज ठीक कर देता है। जंगलराज चलाओगे तो कानून और व्यवस्था की तो यही गत होनी है। बिहार का जंगलराज रेलों पर लाद दिया, अब वहाँ अपराध नहीं तो क्या भजन-कीर्तन होगा।' मित्र को बात हजम नहीं हुई कहने लगे-'अब जाने भी दो। आजकल तो यही चल रहा है। अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।' मैंने कहा-'भाड़ नहीं फोड़ सकता तो इस्तीफा तो दे सकते हैं। लेकिन मंत्री पद कौन छोड़ता है। रेलों के भाग्य में तो लिखा ही यही हैं कि वहाँ जंगलराज रहेगा, सो चल रहा है।' मित्र बोले नहीं, अनमने से चल दिये।

विश्व कठपुतली दिवस पर विशेष

मन बदलती कठपुतली को याद करने का समय

प्रो. मनोज कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कठपुतली कला का इतिहास रोचक है। कठपुतली कला का इतिहास 3000 साल से भी पुराना है। सबसे पहले कठपुतलियों की शुरुआत संभवत: मिस्र में हुई थी। यूनियन इंटरनेशनेल डे ला मैरिओनेट या इंटरनेशनल पपेट्री एसोसिएशन की स्थापना 1929 में प्राग में हुई थी। यह यूनेस्को से संबद्ध है और अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान का सदस्य है। आधुनिक कठपुतली एक आभासी वातावरण में डिजिटल रूप से एनिमेटेड 2डी या 3डी आकृतियों और वस्तुओं का हेरफेर और प्रदर्शन है जो कंप्यूटर द्वारा वास्तविक समय में प्रस्तुत किया जाता है। इसका सबसे अधिक उपयोग फिल्म निर्माण और टेलीविजन निर्माण में किया जाता है। इसका उपयोग इंटरैक्टिव थीम पार्क आकर्षण और लाइव थिएटर में भी किया गया है। आधुनिक कठपुतली क्या है और क्या नहीं, इसकी सटीक परिभाषा कठपुतली कलाकारों और कंप्यूटर ग्राफिक्स डिजाइनरों के बीच बहस का विषय है।

डोर में बंधी कठपुतली इशारों पर कभी नाचती, कभी गुस्सा करती और कभी खिलखिलाकर हमें सम्मोहित करती..यह यादें आज भी अनेक लोगों के जेहन में तरोताजा होंगी। कुछ यादें ऐसी होती है जो बचपन से लेकर उम्रदराज होने तक जिंदा रहती हैं और इसमें कठपुतली को दर्ज कर सकते हैं। कठपुतली उस समय हमारे साथ होती थी जब हमारे पास मनोरंजन का कोई साधन नहीं होता था। जेब में इतने पैसे भी नहीं होते थे कि शहरी बाबूओं की तरह थियेटर में जाकर मजे ले सकें। तब आप और हम मां और बापू के साथ कठपुतली नाच देखने चले जाते थे। समय बदला और कल तक मनोरंजन करती कठपुतली अब जनजागरूकता का अलख जगाने निकल पड़ी। सामाजिक रूढ़ियों के खिलाफ लोगों को चेताती तो समाज को संदेश देती कि अब हमें बदलना है। बदलाव की इस बयार में कठपुतली ने समाज को तो बदला और खुद भी बदल गई। नयी पीढ़ी को कठपुतली कला के बारे में बहुत कुछ नहीं मालूम होगा क्योंकि मोबाइल फोन पर थिरकती अंगुलियां नयी पीढ़ी को कठपुतली से दूर कर दिया है। हालांकि अभी भी कठपुतली का प्रभाव है लेकिन उसकी सिसकी साफ सुनाई देती है। आज 21 मार्च को अन्य दिवसों की तरह कठपुतली दिवस मनाते हैं। हालांकि साल 2003 में कठपुतली दिवस मनाने की शुरूआत हुई लेकिन संचार के सबसे पुरातन माध्यम होने के बाद भी आधुनिक संचार माध्यमों में कठपुतली के लिए कोई खास जगह बनती दिखाई नहीं देती है।

कठपुतली कला का इतिहास रोचक है। कठपुतली कला का इतिहास 3000 साल से भी पुराना है। सबसे पहले कठपुतलियों की शुरुआत संभवतः मिस्र में हुई थी। यूनियन इंटरनेशनेल डे ला मैरिओनेट या इंटरनेशनल पपेट्री एसोसिएशन की स्थापना 1929 में प्राग में हुई थी। यह यूनेस्को से संबद्ध है और अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान का सदस्य है। आधुनिक कठपुतली एक आभासी वातावरण में डिजिटल रूप से एनिमेटेड 2डी या 3डी आकृतियों और वस्तुओं का हेरफेर और प्रदर्शन है जो कंप्यूटर द्वारा वास्तविक समय में प्रस्तुत किया जाता है। इसका सबसे अधिक उपयोग फिल्म निर्माण और टेलीविजन निर्माण में किया जाता है। इसका उपयोग इंटरैक्टिव थीम पार्क आकर्षण और लाइव थिएटर में भी किया गया है। आधुनिक कठपुतली क्या है और क्या नहीं, इसकी सटीक परिभाषा कठपुतली कलाकारों और कंप्यूटर ग्राफिक्स डिजाइनरों के बीच बहस का विषय है।

हालाँकि, आमतौर पर इस बात पर सहमति है कि डिजिटल कठपुतली पारम्परिक कंप्यूटर एनीमेशन से अलग है क्योंकि इसमें पात्रों को फ्रेम दर फ्रेम एनिमेट करने के बजाय वास्तविक समय में प्रदर्शन करना शामिल है। विश्व कठपुतली दिवस की शुरुआत 2003 में यूनेस्को से संबद्ध एक गैर-सरकारी संगठन ह्द्धरू द्वारा की गई थी. 21 मार्च 2003 को पहला विश्व कठपुतली दिवस मनाया गया। मनोरंजन का सशक्त माध्यम रहीं कठपुतलियां जागरूकता का काम भी कर रही हैं। कठपुतली कला मंच, टेलीविजन और फिल्म पर नाट्य प्रदर्शनों के लिए कठपुतलियों को बनाने और उनका उपयोग करने की कला है। कठपुतली एक मानव, पशु या अमूर्त आकृति है जिसे मानव प्रयास द्वारा चलाया जाता है। ऐतिहासिक उदाहरणों और समकालीन उपयोग के आधार पर, अध्ययन में छाया रंगमंच, मुखौटा रंगमंच, हाथ की कठपुतली, छड़ी कठपुतली और कठपुतलियों को शामिल किया जा सकता है। कठपुतली चलाने वाले हाथों और भुजाओं की हरकतों का उपयोग करके छड़ या डोरियों जैसे उपकरणों को नियंत्रित करते हैं ताकि कठपुतली के शरीर, सिर, अंगों और कुछ मामलों में मुँह और आँखों को हिलाया जा सके।

कठपुतली चलाने वाला कभी-कभी कठपुतली के पात्र की आवाज़ में बोलता है, जबकि अन्य समय में वे रिकॉर्ड किए गए साउंडट्रैक पर प्रदर्शन करते हैं। भारतीय संस्कृति में कठपुतली कला का दार्शनिक महत्व है। भगवद् गीता में, भगवान को एक कठपुतली के रूप में दर्शाया गया है, जो ब्रह्मांड को तीन तारों से नियंत्रित करता है - सत्व, रज और तम। भारतीय रंगमंच में कहानीकार को सूत्रधार कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'तार धारण करने वाला।' भारत में कठपुतली परम्पराओं का एक विविध स्पेक्ट्रम उभरा है, प्रत्येक कठपुतली की अपनी विशिष्ट शैली के साथ। प्रेरणा पौराणिक कथाओं, लोककथाओं और स्थानीय किंवदंतियों से ली गई थी। कठपुतली को चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, नृत्य और रंगमंच के साथ जोड़ा गया है, जिसके परिणामस्वरूप एक अद्वितीय कलात्मक अभिव्यक्ति हुई है हालाँकि समर्पित प्रशंसकों की आवश्यकता और वित्तीय अनिश्चितताओं के कारण हाल के वर्षों में यह रचनात्मक रूप लगातार कम हो गया है।

भारत के विभिन्न राज्यों में कठपुतली कला अलग-अलग नाम से प्रचलन में है। राजस्थान में इन्हें कठपुतली के नाम से जाना जाता है। इसे लकड़ी के एक ही टुकड़े से बनाया गया है और ये कठपुतलियाँ बड़ी गुड़िया की तरह हैं जिन्हें राजस्थानी शैली में रंग-बिरंगे कपड़े पहनाए गए हैं। कठपुतली कलाकार उन्हें दो से पाँच तारों से संचालित करते हैं जो आम तौर पर उनकी अँगुलियों से बंधे होते हैं। ओडिशा में इन्हें कुंधेई के नाम से जाना जाता है। यह हल्की लकड़ी से बना है जिसमें पैर नहीं हैं लेकिन लंबी बहने वाली स्कर्ट पहनते हैं। यह कभी-कभी ओडिसी नृत्य के संगीत से प्रभावित भी देखा जाता है। कर्नाटक में इन्हें गोम्बेयट्टा कहा जाता है। इन्हें क्षेत्र के पारम्परिक थिएटर रूप यक्षगान के पात्रों की तरह स्टाइल और डिज़ाइन किया गया है। गोम्बेयट्टा में अभिनीत एपिसोड आमतौर पर यक्षगान नाटकों के प्रसंगों पर आधारित होते हैं। तमिलनाडु में इन्हें बोम्मालट्टम के नाम से जाना जाता है। यह छड़ी और डोरी दोनों कठपुतलियों की तकनीकों को जोड़ती है। वे लकड़ी के बने होते हैं और हेरफेर के लिए तार एक लोहे की अंगूठी से बँधे होते हैं जिसे कठपुतली अपने सिर पर मुकुट की तरह पहनता है। कुछ कठपुतलियों के हाथ और जोड़ जुड़े हुए होते हैं, जिन्हें छड़ों से संचालित किया जाता है।

पश्चिम बंगाल में इसे पुतुल नाच के नाम से जाना जाता है। वे लकड़ी से बनाए गए हैं और एक विशेष क्षेत्र की विभिन्न कलात्मक शैलियों का पालन करते हैं। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में छड़ी-कठपुतलियाँ जापान की बूनराकू कठपुतलियों की तरह मानव आकार की हुआ करती थीं। ओडिशा में पारम्परिक छड़ी कठपुतली दूसरों से कुछ अलग है। यहाँ रॉड कठपुतलियाँ आकार में बहुत छोटी होती हैं, आमतौर पर लगभग बारह से अठारह इंच। इनमें भी अधिकतर तीन जोड़ होते हैं लेकिन हाथ छड़ों के बजाय तारों से बंधे होते हैं। इस प्रकार कठपुतली के इस रूप में छड़ और डोरी कठपुतलियों के तत्वों को संयोजित किया जाता है। बिहार में पारम्परिक छड़ी कठपुतली को यमपुरी के नाम से जाना जाता है। इसमें अनूठी विशेषताएं हैं जो इसे एक दिलचस्प घड़ी बनाती हैं। ये कठपुतलियाँ लकड़ी की बनी होती हैं। कठपुतली कला महज़ मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि सूचना और शिक्षा का बुनियादी तत्व भी समाहित हैं। कठपुतलियों के साथ जुड़कर, बच्चे विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने और दूसरों के प्रति सहानुभूति विकसित करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। कठपुतलियाँ बच्चों को अपने विचारों, भावनाओं और कथाओं को अधिक स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने में मदद करती हैं। कठपुतलियाँ सामाजिक संपर्क और सहयोग को प्रोत्साहित करती हैं। आइए एक बार फिर हम सब अपनी प्यारी कठपुतलियों पर चर्चा करें क्योंकि कठपुतली समाज का मन बदलती है।

आज 'विश्व कविता दिवस'

गौरव अवस्थी

ग्रीक कवि सोलोन की कविता का चमत्कारिक प्रभाव!

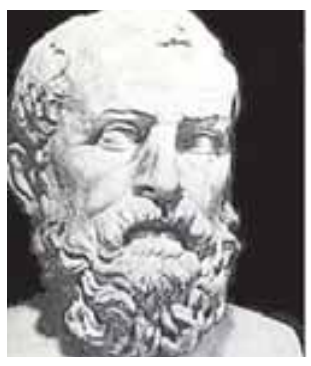

पुराने ज़माने में ग्रीस के एथेन्स नगरवाले मेगारा वालों से वैरभाव रखते थे। सोरोनिक खाड़ी में सलामिस टापू पर कब्जे के लिए एथेंस और मेगारा वालों के बीच कई बार लड़ाइयां हुई पर हर बार एथेन्सवालों ही को हार का सामना करना पड़ता। इस पर सोलोन को बड़ी आत्मग्लानि हुई। उन्होने एक राष्ट्रवादी कविता लिखी–'आओ हम सलामिस चलें और उस द्वीप के लिए लड़ें जिसे हम चाहते हैं, और अपनी कड़वी शर्म से दूर भागें!' अपनी इस कविता को सोलन ने एक ऊँची जगह पर चढ़कर एथेन्सवालों को सुनाया।

ग्रीस के एथेन्स नगर के उच्च कुल (कबीले) में 630 ईसा पूर्व में जन्मे महान कवि सोलोन को दार्शनिक और समाज सुधारक के रूप में भी जाना जाता है। देशभक्ति और संवैधानिक सुधार पर उन्होने कई गीत लिखे। उनके एक गीत की पंक्तियां है-'कुछ दुष्ट लोग धनी होते हैं, कुछ अच्छे लोग निर्धन होते हैं, हम उनके भण्डार के बदले अपना पुण्य नहीं बदलेंगे, पुण्य ऐसी वस्तु है, जिसे कोई छीन नहीं सकता, परन्तु धन तो दिन भर मालिक बदलता रहता है..' '..उन दोनों के सामने मैंने अपनी शक्ति की ढाल थामी और किसी को भी दूसरे के अधिकार को छूने नहीं दिया..'।

पुराने ज़माने में ग्रीस के एथेन्स नगरवाले मेगारा वालों से वैरभाव रखते थे। सोरोनिक खाड़ी में सलामिस टापू पर कब्जे के लिए एथेंस और मेगारा वालों के बीच कई बार लड़ाइयां हुई पर हर बार एथेन्सवालों ही को हार का सामना करना पड़ता। इस पर सोलोन को बड़ी आत्मग्लानि हुई। उन्होने एक राष्ट्रवादी कविता लिखी-'आओ हम सलामिस चलें और उस द्वीप के लिए लड़ें जिसे हम चाहते हैं, और अपनी कड़वी शर्म से दूर भागें!' अपनी इस कविता को सोलन ने एक ऊँची जगह पर चढ़कर एथेन्सवालों को सुनाया।

कविता का भावार्थ यह था- 'मैं एथेन्स में न पैदा होता तो अच्छा था। मैं किसी और देश में क्यों न पैदा हुआ ? मुझे ऐसे देश में पैदा होना था जहाँ के निवासी मेरे देशवासियों से अधिक वीर, अधिक कठोर-हृदय और उनकी विद्या से बिल्कुल बेखबर हों। मैं अपनी वर्तमान अवस्था की अपेक्षा उस अवस्था में अधिक सन्तुष्ट होता। यदि मैं किसी ऐसे देश में पैदा होता तो लोग मुझे देखकर यह तो न कहते कि यह आदमी लड़ाई में हार गये और लड़ाई के मैदान से भाग निकले। प्यारे देशबन्धु, अपने शत्रुओं से जल्द हार का बदला लो। अपने इस कलंक को धो डालो। लज्जाजनक पराजय के अपयश को दूर कर दो। जब तक अपने अन्यायी शत्रुओं के हाथ से अपना छिना हुआ देश न छुड़ा लो तब तक एक मिनट भी चैन से न बैठो।'

कहते हैं कि लोगों के दिल पर इस कविता का इतना असर हुआ कि फौरन मेगारावालों पर फिर चढ़ाई कर दी गयी और जिस टापू पर कब्जे के लिए बार-बार हार का सामना करना पड़ रहा था, उसे एथेन्सवालों ने जीत लिया। खास बात यह थी कि इस लड़ाई में सोलोन ही सेनापति भी थे। कवि सोलोन ग्रीस के सात संतों में से एक हैं। फूलदार पौधों की एक प्रजाति सोलोनिया का नाम सोलोन के नाम पर ही रखा गया है। सोलोन की मृत्यु साइप्रस में लगभग 70 वर्ष की आयु में हुई। उनकी इच्छा के अनुसार, उनकी राख को सलामिस के आसपास बिखेर दिया गया। यह वह द्वीप है जहाँ उनका जन्म हुआ था। दुनिया में बहुत कम कवि हैं, जिनकी कविता का इतना अधिक प्रभाव आम जनमानस पर हुआ।

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सरस्वती के जुलाई 1907 अंक में 'कवि और कविता' नामक निबंध में कवि सोलोन के इस प्रसंग को उद्धृत करते हुए आधुनिक कविता के संदर्भ में कुछ मानक निर्धारित किए थे। यह आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने लिखा था- जिस पद्य के पढ़ने या सुनने से चित्त पर असर नहीं होता, वह कविता नहीं, वह नपी-तुली शब्द स्थापना मात्र है। गद्य और पद्य दोनों में कविता हो सकती है। तुकबन्दी और अनुप्रास कविता के लिए अपरिहार्य नहीं। संस्कृत का प्रायः सारा पद्य समूह बिना तुकबन्दी का है और संस्कृत से बढ़कर कविता शायद ही किसी और भाषा में हो। अरब में भी सैकड़ों अच्छे-अच्छे कवि हो गये हैं। वहाँ भी शुरू-शुरू में तुकबन्दी का बिलकुल ख़याल न था। अंग्रेज़ी में भी अनुप्रासहीन बेतुकी कविता होती है। हाँ, एक ज़रूरी बात है कि वज़न और क़ाफ़िये से कविता अधिक चित्ताकर्षक हो जाती है पर कविता के लिए यह बातें ऐसी ही हैं जैसे शरीर के लिए वस्त्राभरण।

उनका मानना है कि पद्य के लिए काफ़िये वगैरह की जरूरत है, कविता के लिए नहीं। कविता के लिए तो ये बातें एक प्रकार से उलटी हानिकारक हैं। तुले हुए शब्दों में कविता करने और तुक, अनुप्रास आदि ढूँढ़ने से कवियों के विचार-स्वातन्त्र्य में बड़ी बाधा आती है। पद्य के नियम कवि के लिए एक प्रकार की बेड़ियाँ हैं। उनसे जकड़ जाने से कवियों को अपने स्वाभाविक उड़ान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कवि का काम है कि वह अपने मनोभावों को स्वाधीनता पूर्वक प्रकट करे। काफिया और वजन उसकी। स्वाधीनता में विघ्न डालते हैं। अच्छी कविता की सबसे सबसे बड़ी परीक्षा यह है कि उसे सुनते ही लोग बोल उठे- 'सच कहा'। जिस देश में ऐसे कई पैदा होते हैं, वह देश भी धन्य है। ऐसे कवियों की कविता ही चिरकाल तक जीवित रहती है।

यद्यपि आचार्य जी के साहित्यिक जीवन का आरंभ 1889 में बृजभाषा में लिखी कविताओं से ही हुआ पर उन्होने ईमानदारी से स्वीकार किया है- 'कविता करना आप लोग चाहे जैसा समझें हमें तो एक तरह दुस्साध्य ही जान पड़ता है। अज्ञता और अविवेक के कारण कुछ दिन हमने भी तुकबन्दी का अभ्यास किया था। पर कुछ समझ आते ही हमने अपने को इस काम का अनधिकारी समझा। अतएव उस मार्ग से जाना ही प्रायः बन्द कर दिया ।' अपने स्वाध्याय के बल पर उन्होने कविता को बृजभाषा की जकड़न से निकालने के लिए समय-समय पर 'कविता', 'कवि कर्तव्य', 'कविता का भविष्य', 'कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता' और 'आजकल के छायावादी कवि और कविता' लेखों के माध्यम से अपने समय के कवियों का मार्गदर्शन किया।

जीवन को समझने एवं जीने की कला ही कविता है...

विश्व कविता दिवस

डॉ. वीरेन्द्र प्रसाद

(लेखक बिहार में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं)

इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में मोबाइल फोन एवं मशीनी तंत्र, मानव तंत्र पर हावी हो कर मानवीय मूल्यों, विचारों और भावनाओं का क्षय करने की कोशिश कर रहा है। वर्तमान परिस्थितियों में काव्य एवं काव्यात्मक साहित्य मानवीय मूल्यों और विचारों को अक्षुण्ण बनाए रखने में महती भूमिका निभा रहा है। आरंभ से ही मुद्रित सामग्री से मंच तक काव्य प्रवाह ने दिल और दुनिया को जोड़ने का काम किया है। जुड़ने और जोड़ने के सारस्वत अनुष्ठान में किसी भी काव्य संग्रह की कविताएं कपोल कल्पना मात्र नहीं बल्कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जन सामान्य के जीवन से जुड़ी परिस्थितियों का ताना-बाना होता है। शब्दों के संयोजन से कलमबद्ध शब्दों, छंदों एवं पंक्तियों का सरोकार मानवीय चेतनाओं, विचारों और संवेदनाओं से होता है,अर्थ से होता है, यथार्थ से होता है,स्व से होता है परमार्थ से होता है,वास्तविकता से होता है, तो सकारात्मकता से होता है।

हम स्वान्तः सुखाय की मंगल भावना पर विश्वास करते हैं और उसके लिये आवश्यक आत्मनिरीक्षण एवं आत्मपरीक्षण पर भी। प्रकृति का शान्त रूप हमारे हृदय में चंचल लय सा भर देता है और उसका रौद्र रूप मन को चिर स्थिरता देता है। प्रकृति की रौद्रता का परिणाम ही मन की एकाग्रता है,तो गतिमान बने रहने का कारक भी। प्रकृति के भाव विचार और कर्म की सौंदर्यता, दोनों एक समान हमें आकर्षित करता है। भाव विचार की अनंत सीमाएं हमें अन्नत कर्मपथ पर अग्रसर होने के लिये प्रेरित करती है। स्वतंत्र भाव अंकन एवं निर्बाध कर्मपथ पर गतिमान रहने के कारण हमें जीवन के अधिकांश भाव एवं सामाजिक कर्म को समझने एवं सीखने का मौका मिलता है। असफलताएं आत्मनिरीक्षण एवं आत्मपरीक्षण का साधन बनी और यही फिर सफलताओं का आधार बनीं।

सत्य काव्य का साध्य और प्राकृतिक सौन्दर्य साधन है। सत्य एकता में असीम है और प्राकृतिक सौन्दर्य विभिन्नताओं में अनंत। उस असीम अनंत भावों को गढ़ना कभी-कभी बहुत आसान और कभी-कभी दुश्वर हो जाता है। व्यक्ति की सीमा में सत्य की दोहरी स्थिति सहज ही नहीं स्वभाविक भी है। सत्य की

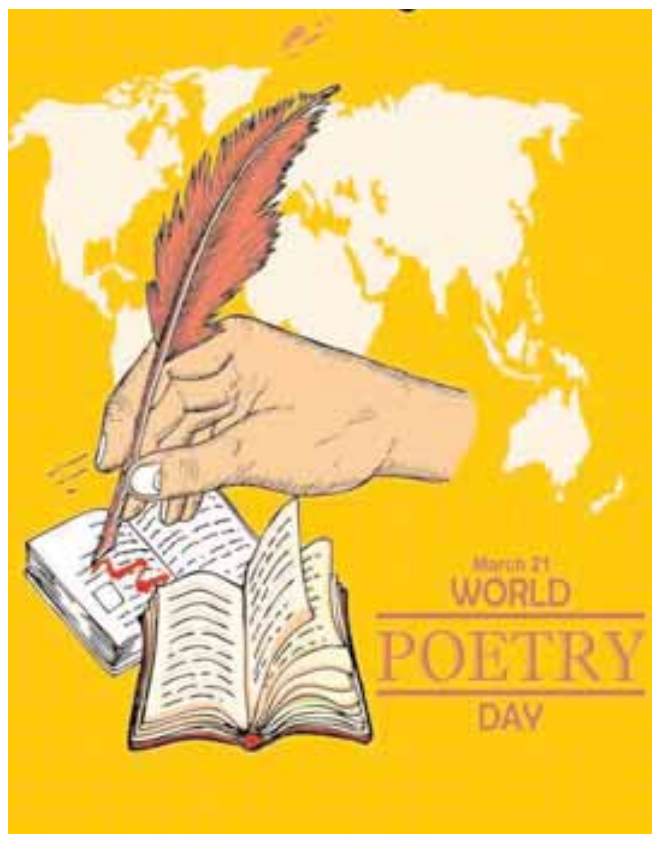

व्यापकता हमारी सीमा में बंध कर व्यष्टिगत हो जाता है और हमारी सीमा के साथ सापेक्ष पर अपनी व्यापकता में निरपेक्ष बना रहता है। मानव का चिर अतृप्त जिज्ञासा भ्रमित करने में कोई कसर नहीं छोड़ती है। अलग-अलग व्यक्ति के दृष्टिकोण भिन्न हो सकते हैं और यह संभव है कि विवाद की कभी न टूटनेवाली श्रृंखला का जन्म हो जाए, जो निरन्तर बढ़ती ही रहे। इस उलझन को सुलझाने का नाम जीवन है और जीवन जीने की कला ही कविता है। मानवीय सरोकारों से जुड़े समझ को काव्य के माध्यम से उतारने की भरसक कोशिश की जाती है। कहीं न कहीं कोई जाना पहचाना चेहरा, कोई वास्तविक घटना, सुना हुआ अनुभव सभी कुछ मिलकर आपके काव्य के लिए कच्ची सामग्री जुटाती है। कविताएं आत्माभिव्यक्ति के लिये लिखी जाती हैं। सचेत रूप से, लक्षित होकर नहीं। परन्तु काव्य कला साझे जीवन की उपज होती है, जो हम सभी साथ मिलकर जीते है एवं अदृश्य तन्तुओं से बंधे होते हैं। अनास्था आधुनिक है, आस्था असंगत है, मृत्युबोध आधुनिक है, जीवनबोध असंगत और निरर्थक है। इस प्रकार के तर्क के आधार पर साहित्य एवं जीवन को परखना एवं दोष गुण निकालना एक दिग्भ्रमित सोच है मानो टूटे, टेढ़े काँच से सामने देखना।

मानव बहुत लंबी यात्रा कर यहाँ तक पहुंचा है। इंसान कई बार टूटा, लड़ा, हारा, फिर उठ खड़ा हुआ एवं लाख मुसीबतों का सामना करता हुआ यहाँ तक पहुंचा है। उसकी जिजीविषा और उपलब्धि अनवरत संघर्ष की उपज है। यह संघर्ष व्यतिगत एवं सामूहिक दोनों है। सदियों के संघर्ष ने मानव को जीवन में आस्था रखना सिखलाया है। आस्था और विश्वास के बल पर वह आगे बढ़ता गया है। परस्पर विरोधी एवं नकारात्मक वृतियों के रहते हुए भी मानव जीना चाहता है। अपने जीवन को बेहतर, और बेहतर बनाना चाहता है। जीवन संघर्ष की अनुभूतियां मानव को संवेदनशील बनाती हैं और सौन्दर्यबोध एवं उत्प्रेरक का काम करती हैं।ऐसे चिर अनन्त जीवन को पूर्णरूपेण समझना किसी एक की बात नहीं हो सकती है। सरल शब्दों में कहें, तो जीवन को समझने की कोशिश ही कविता है।

जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में 21 मार्च को लगाया जायेगा नसबंदी शिविर

नरसिंहपुर। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में माह मार्च 2025 में महिला एवं पुरूष नसबंदी- एनएसव्हीटी/ एनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किये गये हैं। इसी क्रम में 21 मार्च को जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में महिला एवं पुरूष नसबंदी- एनएसव्हीटी/ एनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 21 मार्च को

नरसिंहपुर। राज्य शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय नरसिंहपुर के जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 21 मार्च 2025 को प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जायेगा। विश्व उपभोक्ता दिवस पर खाद्य एवं नागरिक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, नापतौल, शिक्षा, पंचायत वं ग्रामीण विकास, अनुसूचित जाति/ जनजाति, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, बीमा, परिवहन, ऑयल कम्पनी, बिजली, दूर- संचार आदि से संबंधित उपभोक्ताओं को सेवाओं/ अधिकारों के संबंध में अवगत करायेंगे। कार्यक्रम में उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से संबंधित विभाग के अधिकारी अपनी विभागीय प्रदर्शनी भी लगायेंगे। यह जानकारी जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

मंजूलता कोरी का निधन

नरसिंहपुर। शंकर वार्ड नरसिंहपुर निवासी श्रीमती मंजूलता कोरी पत्नी स्व. हरिओम कोरी घड़ीसाज 45 वर्ष की आयु में निधन हो गया । उनके अंतिम संस्कार में सभी वर्ग के लोगों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वे पत्रकार विनोद कोरी एवं पेंटर राकेश कोरी की भाभी एवं कुलदीप कोरी की माता जी थी।

गौरैया चिड़िया के घोंसले तैयार करते हैं आदित्य

नरसिंहपुर। ग्राम नोन पिपरिया तहसील गोटेगांव के आदित्य राज भट्ट गौरैया चिड़िया के घोसले तैयार करते हैं और उन घोसले से हर वर्ष 10 से 12 चिड़िया की वृद्धि करते हैं। इस वर्ष आदित्य कुछ नया करके दिखाया है, इस वर्ष हेलमेट के अंदर चिड़िया के घोसले तैयार किए हैं ताकि कुत्ता बिल्ली बाज कौवा से इनके अंडो एवं बच्चों को नुकसान ना हो सके। हेलमेट से इंसानों की तरह गौरैया परिवार की रक्षा हो सके, इंसान भी हेलमेट गाड़ी चलाते समय उपयोग करें और सुरक्षित रहें। अगर आप भी गौरैया का कुनबा बढ़ाना चाहते हैं तो जहां आप निवास करते हैं, उस जगह चिड़ियों के घोसले तैयार करें, जब चिड़िया आने जाने लगे तो घोसला से छेड़छाड़ ना करें, वरना चिड़िया आना बंद कर देती है। सीलिंग फेन न चलावे उससे चिड़िया की जान जा सकती है हमें थोड़ा घास फुस लाना पड़ता है उसके बाद चिड़िया अपनी पसंद की घास लाती है और अंडे देती है जब चिड़िया अंडे देती है तो चिरवा इंसानों की तरह चिड़िया के लिए खाने का इंतजाम करता है। चिड़िया के अंडे से बच्चे हो जाते हैं तो चिड़िया चिरवा दोनों मिलकर बच्चों के लिए नरम कीट पतंग का इंतजाम करते हैं ताकि बच्चों के पेट भी भर जाए और पानी की भी पूर्ति हो सके। आप भी प्रयास कीजिए ताकि गौरैया परिवार में वृद्धि हो सके।

भेल श्रमिकों ने मनाया लोकतंत्र सम्मान दिवस

गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की नारेबाजी

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस समर्थित कर्मचारी संगठन सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) ने गुरुवार को लोकतंत्र सम्मान दिवस मनाया। इस मौके पर भेल के श्रमिकों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और जमकर

नारेबाजी की। सीटू भेल के महासचिव दीपक गुप्ता ने बताया कि चार साल पहले मध्य प्रदेश की चुनी हुई सरकार को छल पूर्वक गिराया गया था। इसलिए यह दिवस मनाया जा रहा है।

गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में श्रमिक नेता दीपक गुप्ता ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जेपी धनोपिया, योगेंद्र कौशल, जेके पाठक, उदयवीर सिंह, अरुण कुमार सिंह और बीडी शुक्रवारे, रामपाल घोसले, लक्ष्मण सिंह, ओंकार सिंह, सुशील प्रजापति और उपेंद्र सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

राष्ट्रीय सर्व बलाई समाज का प्रथम प्रादेशिक अधिवेशन देवास में 23 मार्च को

देशभर से जुटेंगे 10 हजार से अधिक स्वजातीय बंधु

देवास। राष्ट्रीय सर्व बलाई समाज का प्रथम अधिवेशन देवास में होने जा रहा है। जिसको लेकर राष्ट्रीय सर्व बलाई समाज द्वारा प्रेसवार्ता का आयोजन जवाहर नगर स्थित दिव्य सांई पैलेस पर रखा गया। अध्यक्ष मनीष सोलंकी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि आगामी 23 मार्च, रविवार को प्रातः 10 बजे से विकास नगर स्थित आईटीआई ग्राउंड में उक्त अधिवेशन होगा। अधिवेशन के मुख्य अतिथि आलोट विधायक एवं पूर्व सांसद डॉ. चिंतामणि मालवीय, तराना विधायक महेश परमार, घटिया विधायक सतीष मालवीय, आष्टा विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर, आगर विधायक मधु गेहलोत, खण्डवा विधायक कंचन मुकेश तनवे, मप्र शासन पूर्व मंत्री रोडमल राठौड, गुजराती बलाई समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष बालूसिंह वाणिया, विशिष्ट अतिथि मप्र शासन पूर्व मंत्री बाबूलाल मालवीय, वरिष्ठ समाजसेवी राजेन्द्र राधाकिशन मालवीय, इंदौर जिला पंचायत अध्यक्ष रीना मालवीय, खण्डवा जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेडे, ओम मालवीय आगर एवं विशेष अतिथि पूर्व विधायक घटिया रामलाल मालवीय होंगे। श्री सोलंकी ने आगे कहा कि बलाई समाज का यह प्रथम अधिवेशन एक उत्कृष्ट प्रयास है। जो एक नये इतिहास का साक्षी बनेगा। जो सर्व बलाई समाज के लिये नई दिशा, दशा का संकल्प लेगा। बलाई समाज क्षेत्रीयता वर्ग में बंटा हुआ है। जैसे मालवीय, गुजराती, मारू, निमाड़ी, मेवाड़ा, मेहर, सालवी, तृतीया, सौराष्ट्री इत्यादि सभी को आपस में मिलकर राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने का इस अधिवेशन में एक अनुठा प्रयास है। वैसे सभी में भाईचारा है किसी भी प्रकार का विभाजन नहीं है। सुख-दुःख में सभी एक साथ खड़े हो जाते है। अधिवेशन में विशेष रूप से इस बिंदु पर विचार किया जायेगा कि भारत के बलाई भारतीय है और क्यों न हम ऐसे प्रयास करें कि आपस में रिश्तेदारी करें। इससे हमारा समाज मजबूत होगा और संख्याबल के आधार पर हमारी देश में पहचान बने इसी को लेकर यह अधिवेशन सार्थक और निर्णायक होगा। अनेकता में एकता के संकल्प के साथ अधिवेशन के 11 सूत्र एजेण्डा अधिवेशन के विचारणीय विषय है। महासचिव डॉ. मुन्ना सरकार ने बताया कि अधिवेशन में प्रदेशभर के शहरों, कस्बो व गांवो से लगभग 10 हजार से अधिक बलाई समाजजन हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर संयोजक गोरधन देसाई, परामर्शदाता प्रो. बीएस मालवीय, गंगाराम मालवीय, कोषाध्यक्ष आत्माराम परिहार, समन्वयक मदनलाल जेठवा, मीडिया प्रभारी वरिष्ठ पत्रकार राजेश मालवीय, प्रमोद डोंगलिया, राजेश गोंदिया, अरूण कश्यप, मदनलाल सोलंकी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजराजेश्वर भगवान परशुराम जी की भव्य शौर्य यात्रा 4 मई रविवार को

देवास। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष पंडित दिनेश मिश्रा की अध्यक्षता में महासंघ की एक अति आवश्यक बैठक आयोजित की गई । जानकारी देते हुए ब्राह्मण समाज के आदित्य दुबे ने बताया कि बैठक में समाज के सभी वरिष्ठ जनों युवा एवं महिला संघ की सहमति से राजराजेश्वर भगवान परशुराम जी की शौर्य यात्रा 4 मई रविवार को शाम 5.30 बजे निकली जाएगी , जो सयाजी द्वार से प्रारंभ होकर नयापुरा श्री लक्ष्मी नारायण धर्मशाला में पहुंचकर समापन किया जावेगा। साथ ही 30 अप्रैल अक्षय तृतीया को भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर प्रातः 8.30 बजे राजराजेश्वर भगवान परशुराम वाटिका गंगानगर में पूजा अर्चना की जाएगी। बैठक में कोषाध्यक्ष सतीश दुबे ने वार्षिक आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। सभी समाज जनों ने शौर्य यात्रा का भव्य स्वरूप हो इस विषय में अपने-अपने विचार व्यक्त किए। आभार मधुसूदन शर्मा ने माना। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री दीपक जोशी, आशुतोष जोशी, संजय शुक्ला, महेंद्र स्थापक, यशोदा शर्मा, आशा शर्मा, महेंद्र स्थापक, सुभाष पंड्या, ओपी तिवारी, श्रीकांत उपाध्याय, दीपेश कानूनगो, आकाश अवस्थी, युवा संघ अध्यक्ष छोटू पांडे, विमल शर्मा, किशोर दुबे, महेंद्र व्यास, कृष्णकांत शर्मा, लोकेन्द्र व्यास, विनीता व्यास, राधेश्याम शर्मा व्यास, सतीश व्यास, प्रतीक पंडित, मयंक उपाध्याय, रितेश शर्मा, जगदीश कानूनगो, गंगेश्वर जोशी, भरत व्यास, कमलेश शर्मा, राकेश शर्मा, संजय आचार्य, समीर शर्मा, नयन कानूनगो, मंगेश शर्मा, स्वप्निल चौधरी, सिद्धार्थ अवस्थी, दीपक जोशी, सुदामा शर्मा, रवि व्यास, रोहन कानूनगो, कपिल व्यास, मुकेश शर्मा, लक्ष्मी नारायण बिरथरे, रोहित उपाध्याय, श्याम शर्मा, अभिषेक तिवारी, प्रतिभा शर्मा, मनीष जोशी, रोशनी उपाध्याय, भारती पाठक, मंगल दुबे, रिंकी व्यास, पूजा जोशी, चंचल व्यास, कविता शर्मा, वासुदेव शर्मा, राजकुमार मिश्रा, किशोरी लाल शर्मा, यशवंत तिवारी, मनोज उपाध्याय, चंद्रशेखर पांडे, प्रमोद तिवारी, जगदीश शर्मा, करण शर्मा, जयदीप शर्मा, देवकीनंदन समाधिया, रघुनंदन समाधिया, ओम प्रकाश चौधरी, प्रदीप, पंकज प्रधान, अश्विन सारैया, अनुभव शुक्ला, पवन चौधरी, चंद्रपाल शर्मा, महेश व्यास, सूर्य प्रकाश मिश्रा, सुभाष उपाध्याय, राकेश ठक्कर, नंदकिशोर शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे।

पुलिस ने गंज क्षेत्र में व्यवसायी की गोली मारकर हत्या का 24 घंटे में किया खुलासा

संपत्ति में हिस्सेदारी का लालच दे, मृतक की पत्नी के मुंह बोले भाई ने करवाई थी हत्या

संजय द्विवेदी, बैतूल। बैतूल के गंज क्षेत्र में मंगलवार को गोली मारकर की गई व्यवसायी के हत्या मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त वाहन और एक देशी कट्टा भी बरामद कर लिया है। गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता में मामले का खुलासा करते हुए एसपी निश्चल एन. झारिया ने बताया कि पुलिस ने गंज क्षेत्र में व्यवसायी अशोक पवार की हत्या के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार हत्या का कारण संपत्ति का लालच एवं आपसी विवाद होना बताया गया है, जिसमें मृतक की पत्नी के मायके पक्ष द्वारा एक आरोपी को मुंह बोला भाई मानकर संपत्ति में हिस्सेदारी मिलने की बात कही गई। इसी कारण आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। यहां उल्लेखनीय है कि 18 मार्च को रात करीब 9.39 बजे फ रियादी रमेश पवार की दुकान के पास स्थित दुकानदार वरु आहुजा ने फ ोन पर सूचना दी थी कि उनके छोटे भाई अशोक पवार दुकान के काउंटर पर अचेत अवस्था में पड़े हैं और उनके सीने से खून निकल रहा है। सूचना मिलते ही फरियादी अपने छोटे भाई मनोज पवार एवं किरायेदार सुशील चौरे के साथ तुरंत दुकान पहुंचे, जहां अशोक पवार काउंटर पर सिर टिकाए हुए थे और गंभीर रूप से घायल थे। उन्हें तत्काल लश्करे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टर मौजूद न होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल बैतूल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि उनके सीने पर गोली लगी है और उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

महावत ने रची थी हत्याकांड की साजिश- इस हत्याकांड की साजिश एक महावत ने रची थी। बताया जाता है कि अशोक पवार की पत्नी का एक भाई जो सबसे छोटा था, अचानक लापता हो गया था, जिसे काफ ी तलाशने के बाद भी नहीं ढूंढा जा सका। कुछ साल बाद एक हाथी वाला बाबा, यानी महावत विनेश भिक्षावृत्ति करते हुए उनके मायके आमला पहुंचा, जिसे शक्ल सूरत देखकर मृतक की पत्नि की मां ने अपना छोटा बेटा माना। इसके बाद यह तथाकथित मुंह बोले भाई का मृतक की पत्नि के मायके और ससुराल में आना-जाना होने लगा। इस दौरान उसे दोनो पक्षों में विवादों की जानकारी मिली। वहीं मृतक अशोक पवार के बड़े भाई द्वारा हमेशा ससुराल पक्ष को विनेश गिरीसे दूर रहने की समझाइश दी जा रही थी। यही कारण रहा कि विनेश ने संपत्ति के लालच एवं रंजिश में अशोक और उसके भाई को रास्ते से हटाने की साजिश रची। उत्तरप्रदेश के बांदा जिला निवासी महावत विनेश ने अशोक की हत्या के लिए अपनी बुआ के लड़के राजेश गिरी से बात की और उसे 15 लाख रुपए देने का लालच दिया। इसके अलावा, उसने संपत्ति में हिस्सा देने का भी वादा किया। पुलिस ने हत्या की साजिश रचने वाले यूपी के बांदा निवासी महावत विनेश गिरी गोस्वामी और हत्या के समय शूटर के साथ मौजूद राजेश गिरी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि इस मामले में मुख्य शूटर अभी भी फ रार है, जो खरगोन जिले का रहने वाला बताया जा रहा है।

घटना को अंजाम देने से पहले रेकी करते दिखे आरोपी- पुलिस ने जब सीसीटीवी फु टेज की जांच की तो सामने आया कि घटना से पहले दो संदिग्ध युवक दुकान के आसपास रेकी कर रहे थे, बाद में उनमें से एक युवक दुकान के अंदर घुसा और अशोक पवार को गोली मारता दिखा। इस आधार पर थाना गंज में धारा 103(1), 3 (5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया द्वारा तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी के मार्गदर्शन में विशेष पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

मैसेज से खुला राज- पुलिस ने बताया कि अशोक पंवार के मोबाइल पर देर रात किए गए मैसेज, जो कि डिलीट कर दिया गया था। मैसेज को रिकवर किया गया तो यही से पुलिस को सुराग मिला। दरअसल विनेश गिरी गोस्वामी की मृतक की पत्नि और उसकी बेटी सहित अन्य महिला परिजनों से मोबाइल पर बात होते रहती थी। इसी को लेकर पुलिस ने मोबाइल के मैसेज चेक किए थे। इसके अलावा विनेश गोस्वामी ने दुकान का फोटो भी दूसरे आरोपी को भेजा था और उसके बाद उसे भी डिलीट कर दिया था, जिसे पुलिस ने रिकवर कर साक्ष्य के रूप में रखा। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में जो दो आरोपी दिख रहे थे उसमें नीली शर्ट पहने राजेश गिरी गोस्वामी था जो कि विनेश गिरी गोस्वामी की बुआ का लड़का है। अशोक पंवार की हत्या की सुपारी भी विनेश गोस्वामी ने ही दी थी। फ रार शूटर ने ही गोली चलाई थी जबकि दोनों आरोपियों के पास कट्टे थे। एक कट्टा पुलिस ने बरामद भी कर लिया है, जबकि दूसरा कट्टा फरार आरोपी के पास था।

व्यापारियों की पार्टी के राज में व्यापारी ही असुरक्षित : पूर्व विधायक निलय डागा

बैतूल। बैतूल में मंगलवार की रात गंज थाना क्षेत्र में हार्डवेयर व्यापारी अशोक पवार की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद पूर्व विधायक निलय डागा ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि खुद को व्यापारियों की पार्टी बताने वाली भाजपा के राज में व्यापारी ही सबसे 'यादा असुरक्षित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले से लेकर प्रदेश और केंद्र तक भाजपा की सरकार है, फि र भी अपराधियों में कानून का

कोई डर नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के राज में अपराधी बेखौफ हो गए हैं और जनता अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित है। उन्होंने मांग की है कि पुलिस प्रशासन जिले में बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने के लिए ठोस कदम उठाए। क्योंकि व्यापारी की हत्या से बैतूल के व्यापारियों में बेहद आक्रोश है। व्यापारियों का कहना है कि शहर में पिछले कुछ महीनों में चाकूबाजी, लूट, गोली चलाने और चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे व्यापारियों में दहशत का माहौल है। उन्होंने प्रशासन से व्यापारियों को सुरक्षा मुहैया कराने और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं इस घटना को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अनुराग मिश्रा, राजेश गावंडे, राजा सोनी, धीरू शर्मा, सेंटी वाघमारे आदि प्रमुख कांग्रेस नेता के साथ व्यापारी संगठन के प्रतिनिधियों से गुरूवार को मुलाकात की और वस्तुस्थिति पर चर्चा की। उनका कहना हैं कि जिला मुख्यालय ही नहीं, बल्कि जिलेभर में अपराध चरम पर हैं और हालात चिंताजनक हैं।

125 आईएफएस, स्टेट फारेस्ट अफसरों पर करप्शन के केस

भोपाल (नप्र)। भारतीय वन सेवा और राज्य वन सेवा के 125 अधिकारियों पर करप्शन के गंभीर मामलों में भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एजेंसियों लोकायुक्त पुलिस और ईओडब्ल्यू ने केस दर्ज कर रखे हैं। इसमें लोकायुक्त में दर्ज और जांच के दायरे में शामिल 33 प्रकरणों में से 22 मामलों में जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई है।

वहीं, राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) में हुई शिकायतों और जांच के 92 मामलों में 35 मामलों में रिपोर्ट शासन को भेजी गई है और बाकी मामलों में जांच की जा रही है या रिपोर्ट का वन विभाग मुख्यालय स्तर पर परीक्षण किया जा रहा है।

विधानसभा में इस मामले में विधायक जयवर्धन सिंह ने लिखित सवाल के जरिए जानकारी मांगी थी, जिसके बाद सरकार ने कहा है कि 6 आईएफएस और 6 स्टेट फारेस्ट अफसरों के खिलाफ विभागीय जांच चल रही है।

विधायक सिंह ने पूछा था कि कितने आईएफएस और एसएफएस अफसर हैं, जिन पर भ्रष्टाचार के मामल चल रहे हैं और इसका निराकरण नहीं हो पाने के चलते प्रमोशन की कार्यवाही नहीं हो पा रही है।

शासन द्वारा जारी की गई ऐसे वन अफसरों की सूची में कई अधिकारियों के खिलाफ ईओडब्ल्यू में आधा दर्जन केस रजिस्टर्ड पाए गए हैं। शासन की जानकारी में बताया गया है कि सीधी जिले में पदस्थापना के दौरान कलेक्टर रहे रवींद्र कुमार चौधरी और अपर कलेक्टर डीपी वर्मन, बीपी पांडेय को भी करप्शन के मामले में जांच के घेरे में लिया गया है।

विश्व गौरैया दिवस

मोबाइल टावर का रेडिएशन बना खतरा

भोपाल में घरों में घोंसला बनाने की मुहिम, बच्चों को दिया प्रशिक्षण

भोपाल (नप्र)। भोपाल में विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर पर्यावरण वानिकी वन मंडल ने आज जागरूकता कायक्रम का आयोजन किया। इस दौरान पार्क और जंगलों में आने वाले लोगों को गौरैया संरक्षण के बारे में जानकारी दी गई। डीएफओ निधी चौहान ने कहा कि गौरैया जो पहले हर घर में दिखाई देती थी, अब विलुप्त होने की कगार पर है। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन टावर से निकलने वाला रेडिएशन इसका प्रमुख कारण है।

वन मंडल की टीम ने लोगों से घरों में गौरैया के लिए घोंसले बनाने का आग्रह किया। विशेषज्ञों के अनुसार गौरैया की चहचहाहट पर्यावरण और मानव समाज के लिए सुख-समृद्धि का प्रतीक है।

एसडीओ राम कृष्ण चौधरी ने बच्चों को घर में उपलब्ध बॉक्स और कार्डबोर्ड से गौरैया का घरौंदा

बनाने का तरीका बताया। उन्होंने घरों में दाना-पानी की व्यवस्था रखने की सलाह भी दी। वन मंडल ने विभिन्न पार्कों में पक्षियों के लिए पानी के सपोरे लगवाए। कार्यक्रम में आगंतुकों से गौरैया को देखने के उनके अनुभव भी साझा किए गए। इस पहल का उद्देश्य आने वाली पीढ़ी के लिए गौरैया को संरक्षित करना है।

काया ने मनाया खुशी के मायने समझाता अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस

नरसिंहपुर। 20 मार्च को अखिल विश्व में खुशी या प्रसन्नता का दिन मनाया जाता जिसका उद्देश्य आज के तनाव, अवसाद, चिंता व भागदौड़ से भरे महौल में खुशी के दो पल तलाशना है। हम सब कस्तूरी मृग की तरह खुशी को बाहर किसी जगह या वस्तु में ढूंढते जबकि, वह तो हमारे अंदर ही छिपी हुई है। फिर भी हमें लगता कि, फलाना वस्तु या सुविधा या सामान या नौकरी या मनचाहा वरदान मिल जाये तो हम खुश हो जाएंगे तो इनकी प्रतीक्षा में हम अनजाने में वर्तमान की खुशी भरे क्षणों को भी नजरअंदाज कर देते हैं। कुछ ऐसी ही गहरी व उद्देश्यपूर्ण बातों का संदेश देने राज्य आनंद संस्थान की मास्टर ट्रेनर और माध्यमिक शिक्षिका मुक्ति राय ने काया योग एंड जूम्बा फिटनेस सेंटर में कुछ बड़ी ही रोचक और आनंददायक गतिविधियां उपस्थित सदस्यों को करवाई। उनसे उनके

बचपन के नाम याद करने को कहा जिस नाम से प्यार से उनके माता-पिता उनको पुकारते थे और जो उन्हें खुशी देते थे इसके साथ ही उनको अपनी शक्ति व कमजोरी को समझने के लिए भी प्रेरित किया। इसके अलावा मिरर एक्टिविटी के जरिये उन्हें उनके ही अंदर के व्यक्तित्व से मिलवाया और यह बताया कि, जिस तरह से दर्पण में हमारी ही छवि का प्रतिबिंब उभरता और जैसा-जैसा हम करते वैसा-वैसा करता ठीक उसी तरह हमारे कर्म ही फल के रुप में परिणित होकर हमारे पास वापिस आते अतः हम सजग होकर अपना हर कार्य करें। काया संस्थान की सह-संचालिका सुश्री इंदु सिंह ने सभी से उनकी खुशी को एक शब्द में बताने के लिए कहा जिससे वे जान सकें कि, वास्तव में खुशी क्या है तो काया की ही सह-संचालिका नमिता जनोरिया ने सबको किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार गीत के बोलों पर नृत्य करवाते हुए बताया कि, जीना इसी का नाम है। सभी उपस्थित सदस्यों कुसुम साहू, रचना त्रिवेदी, नीता भारद्वाज, उर्वशी पाठक, कीर्ति साहू, पूर्वी, अंजली, स्वाति सिंह, जया विश्वकर्मा, निकिता साहू, मीना शर्मा, स्नेहा जैन आदि ने इन सभी गतिविधियों का भरपूर आनंद उठाया।

गायत्री योग समिति ने मनाया रंग पंचमी उत्सव

नरसिंहपुर। रंगपंचमी रंग गुलाल का रसरंगी त्यौहार है जो हमें दुःख दर्दों से उबारकर और उमंग उत्साह से भरकर जीवन में खुशी आनंद की अनुभूति कराता है। रंगपंचमी का त्यौहार प्रेम भाईचारा और सद्भाव का त्यौहार है जो सारे विश्व में भारतीयता के सर्वे भवन्तु सुखिनःका संदेश देता है।उक्ताशय के विचार हास्य ओज कवि अशोक त्रिपाठी ने गायत्री मंदिर सभागृह नरसिंहपुर में रंगपंचमी उत्सव में व्यक्त किये।योगाचार्य एन सी जैन ने कहा कि त्यौहार से सद ब्यौहार मिलता है।उत्सव दिलों को दिल से जोड़ते है।योगाचार्य जे के पटेल ने कहा कि रंगपंचमी गिले शिकवे दुश्मनी मिटाकर मेल मिलाप और भाईचारे का पावन त्यौहार है। पं.एल डी दुबे ने कहा कि रंगपंचमी

का यह पर्व हमारी संस्कृति पहिचान और भारतीयता की अमिट छाप छोड़ता है। बी एस पटेल ने कहा उत्सवों एवं आयोजनो से अपनापन मिलता है। फिर लोगों को रंगपंचमी का तो हमेशा इंतजार रहता है।आयोजन में गायक सुधीर दुबे ने गीत गाकर तो कविवर अशोक त्रिपाठी ने कविता से काव्य रस की बर्षा कर सभी को रसरंगित किया।आयोजन समिति द्वारा रंग गुलाल लगाकर सभी का अभिवादन किया गया। गुरमुख माखीजा ने सभी का आभार प्रदर्शन किया।कार्यक्रम में शरद साहू नीरज शर्मा कमल प्रजापति वीरेंद्र राव लीलाधर दुबे जे के पटेल एन सी जैन महेंद्र श्रीवास्तव डा केदार गुप्ता अशोक नेमा शिव प्रसाद साहू सुधीर दुबे आर के पटवा बी एस पटेल श्री कांत नामदेव सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

एमवीएम के पूर्व छात्रों का होली मिलन 23 को

भोपाल। राजधानी के शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय पूर्व विद्यार्थी संगठन (एमवीएम एलुमिनी) द्वारा रविवार 23 मार्च को एमवीएम के सभागार में पूर्व छात्रों का होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। होली मिलन में चार क्विंटल फूलों से होली खेली जाएगी। एमवीएम एलुमिनी के कार्यक्रम में 1965 से लेकर 2020 तक के पूर्व छात्र- छात्राएं इसमें बड़ी संख्या में भाग लेते हैं। एलुमिनी के अध्यक्ष सतीश रायजादा और आयोजन समिति के संयोजक डॉ. संतोष कटियार ने बताया कि पूर्व विद्यार्थियों के इस होली मिलन में सभी पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया गया है। आयोजन सुबह 10:00 बजे से मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में होगा, जो शाम तक चलेगा।

बच्चों की मुस्कान के संग एम्स भोपाल में मना अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के अवसर पर एम्स भोपाल के सेंटर ऑफ हैप्पीनेस ने रेखी फाउंडेशन फॉर हैप्पीनेस के साथ शैक्षणिक सहयोग में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का आयोजन बाल रोग विभाग के सहयोग से किया गया, जिसमें अस्पताल में इलाज करा रहे बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम में कहानी सुनाना, चुटकुले साझा करना और मेडिटेशन जैसे आनंददायक सत्र शामिल थे, जिससे बच्चों और उनके अभिभावकों के चेहरे पर मुस्कान आई। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया, जिससे यह आयोजन यादगार बन गया।

बाल रोग विभाग की प्रमुख प्रो. (डॉ.) शिखा मलिक ने अभिभावकों को नियमित रूप से इस तरह की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और बच्चों को सकारात्मक सोच बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ बच्चों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। इस आयोजन को सफल बनाने में सेंटर ऑफ हैप्पीनेस की टीम, जिसमें प्रो. रुचि सिंह, डॉ. स्वगता ब्रह्मचारी, प्रो. गिरीश भट्ट, डॉ. सोफिया मुद्दा और रेखी फाउंडेशन की कंसल्टेंट डॉ. ऋतु शर्मा शामिल थीं, ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, सकारात्मक सोच और आशावादी दृष्टिकोण उपचार प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजन न केवल हमारे बच्चों को खुशी प्रदान करते हैं, बल्कि उनके भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ करते हैं।

विदिशा के गंजबासौदा में हिंसा के बाद 400 जवान तैनात

विदिशा (नप्र)। विदिशा जिले के गंजबासौदा से 25 किलोमीटर दूर उमरछा गांव में 20 साल की युवती की मौत के बाद तोड़फोड़ और आगजनी से माहौल तनावपूर्ण है। गांव में 2 क्विक रिस्पॉन्स की टीमें (50 जवान) और विदिशा जिले के करीब 400 जवान तैनात हैं। बुधवार को विदिशा एसपी रोहित काशवानी और भोपाल डीआईजी ओम प्रकाश त्रिपाठी ने यहां का दौरा किया। पुलिस ने इस मामले में तीन एफआईआर दर्ज की है। तीनों में 32 लोगों को नामजद और करीब 50 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। सूत्रों के अनुसार, अभी तक करीब 15 से 20 लोगों को पकड़ा जा चुका है। दरअसल, उमरछा गांव में मंगलवार दोपहर 2 बजे के बाद युवती का शव फंदे पर लटका मिला था। पुलिस इसे सुसाइड मान रही है। जबकि युवती के परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर दुष्कर्म के बाद हत्या करने का आरोप लगाया है। मामले में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके परिवार के बारे में फिलहाल कुछ पता नहीं चल पाया है।युवती के छोटे भाई ने पुलिस को बताया, जब मैं घर पहुंचा, तब गांव का मुबारिक खान मेरे घर से भागते दिखा।

विक्रमोत्सव में आज से अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

19 देशों की फिल्में होंगी प्रदर्शित, दक्षिण अफ्रीका, फिजी, नेपाल के राजनयिक आएंगे

उज्जैन (नप्र)। विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत पौराणिक फिल्मों का अंतरराष्ट्रीय महोत्सव (आईएफएफएएस) का शुभारंभ 21 मार्च को कालिदास अकादमी के संकुल हाल सुबह 11 बजे से होगा। अतिथि के रूप में दक्षिण अफ्रीकी उच्चायोग की राजनयिक रामसेला एवलिन, फिजी गणराज्य के उच्च आयोग के उच्चायुक्त एच.ई. जगन्नाथ सामल, नेपाल दूतावास के डिप्लोमैट रवींद्र जंग थापा एवं सचिव दीपक राज निरौला तथा लेसोथो उच्च आयोग की राजनयिक बोहलोकिमोरोजेल होगें।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने बताया कि पौराणिक फिल्मों पर केन्द्रित यह महोत्सव युगावतार श्रीकृष्ण पर केन्द्रित किया है।

इसमें रूस, फ्रांस, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, फिजी, मंगोलिया, चेक गणराज्य, लिसोथो, हंगरी, वेनेजुएला, आइवरी कोस्ट, क्यूबा, माल्टा, साइप्रस, चाड, सूरीनाम, नेपाल एवं नाइजीरिया के राजदूत एवं प्रतिनिधि अपनी संस्कृति को हमारे साथ साझा करेंगे। महोत्सव में भारतीय फिल्मों सहित दक्षिण अमेरिका, अफ्रीकी एवं यूरोपीय देशों की संस्कृति पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे तक होगा। विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत पौराणिक फिल्मों का अंतरराष्ट्रीय महोत्सव श्रीकृष्ण पर केंद्रित होगा।

पहले दिन इन 9 फिल्मों का प्रदर्शन- महोत्सव के पहले दिन 21 मार्च को 9 फिल्मों का प्रदर्शन होगा जिसमें भारतीय भाषाओं में गोपाल कृष्ण (1938), कालिया मर्दन (1919), श्रीकृष्ण विजयन (तेलुगू), महावीर कृष्णा (बंगाली), भगवान श्रीकृष्ण (गुजराती), कृष्णा गोविंदा (ओडिया) व श्रीकृष्ण गरादी (कन्नड़) शामिल है।

विदेशी भाषाओं में वेनेजुएला की 'ऑपरेशन ऑरिन' एवं लिसोथो की 'अफ्रीका यू डोंट सी ऑन टीवी' है। विदेशी फिल्में इंग्लिश सबटाइटल वर्जन के साथ दिखाई जाएगी।

शाम को होगा नाट्य समारोह का शुभारंभ- विक्रमोत्सव के तहत विक्रम नाट्य समारोह का शुभारंभ 21 मार्च को अनिल दुबे द्वारा निर्देशित नाट्य प्रस्तुति 'देवी अहिल्याबाई' से होगा। यह प्रस्तुति कालिदास अकादमी के बहिरंग मंच पर रात्रि 7 बजे होगी। 21 से 29 मार्च आयोजित नाट्य समारोह में 22 मार्च को जयंत देशमुख निर्देशित श्रीकृष्ण तुम कब आओगे, 23 मार्च को कुलविंदर बक्शीश निर्देशित माधव, 24 मार्च को अतुल सत्य कौशिक निर्देशित चक्रव्यूह नाटक में अभिनेता नीतिश भारद्वाज मंच पर दिखाई देंगे।

25 मार्च को संपत सिंह राठौर एवं अभिषेक भरायण द्वारा निर्देशित महादेव। 26 मार्च को लोकेंद्र त्रिवेदी द्वारा निर्देशित वाराहमिहिर की प्रस्तुति होगी।27 मार्च को नारायणी पाणिक्कर के निर्देशन में कर्णभार का मंचन होगा। 28 मार्च को राजेश सिंह द्वारा निर्देशित नाटक अभिज्ञान शाकुंतलम् की प्रस्तुति और अंतिम दिन 29 मार्च को टीकम जोशी द्वारा निर्देशित नाटक मृच्छकटिकम का मंचन होगा।

रीवा में चुराए 13 लाख के अंडरगारमेंट्स

दो आरोपी गिरफ्तार, सामान बरामद; सीसीटीवी फुटेज से पकड़ाए

रीवा (नप्र)। रीवा पुलिस ने 13 लाख रुपए के चोरी किए गए अंडर गारमेंट्स बरामद किए। जिसके लिए पुलिस ने 100 से अधिक सरकारी सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसके साथ ही चोर के मूमेंट का पता लगाया। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि, रीवा शहर के एक नामचीन अंडर गारमेंट डीलर सुरेश मेहनानी ने मंगलवार को अपने गोदाम से 13 लाख रुपए के अंडरगार्मेंट्स चोरी होने की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई थी। इसके बाद कोतवाली प्रभारी अरविंद राठौड़ ने विक्रम पुल के करीब लगे कैमरों की जांच शुरू की। पुलिस ने 100 से अधिक फुटेज खंगाले। कंट्रोल रूम में हर फुटेज का गहन अध्ययन किया।

सीसीटीवी फुटेज से पकड़ाए आरोपी

इस दौरान एक पिकअप वाहन होलसेल डीलर की गोदाम के बाहर खड़ा दिखा, जिसमें चोरी की गई 13 लाख रुपए की अंडर गारमेंट्स बॉक्स भरे जा रहे थे। फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालक को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान आरोपी वाहन चालक ने यह बताया कि उसने चोरी का गया पूरा सामान नगर के विजय चौरसिया और विक्की लाडवानी को दिया गया है। चालक की निशानदेही पर पुलिस ने गुरुवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसमें से विक्की लाडवानी मामले का मुख्य आरोपी है। जिसकी दुकान पर पीटीएस चौराहे में गुरु मेंस वियर के नाम से है संचालित है।

एडिशनल एसपी अनिल सोनकर ने बताया-रीवा में अंडर गारमेंट्स के होलसेल डीलर सुरेश मेहनानी की शिकायत पर चोरी के माल को बरामद कर दो आरोपियों को हिरासत में लिया है, जांच जारी है।

नेताओं ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता को श्रद्धांजलि दी

जमालपुर। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता स्वर्गीय कदम सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए वरिष्ठ राजनीतिक नेता जमालपुर गांव में एकत्र हुए। शोक सभा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और एनसीपी के राष्ट्रीय महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव सहित अन्य लोग शामिल हुए। इस दौरान नेताओं ने कदम सिंह की जीवन यात्रा को सुना, उनके योगदान और उनके द्वारा अपनाए गए मूल्यों पर विचार किया। उन्होंने भूपेंद्र यादव और उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दुख की इस घड़ी में एकजुटता व्यक्त की। इस सभा में पार्टी लाइन से परे नेताओं के बीच गहरे सम्मान और सौहार्द को रेखांकित किया गया।

प्रदेश में नए शैक्षणिक सत्र से लागू होगा निजी स्कूलों के लिए संशोधित फीस नियंत्रण कानून, इन स्कूलों को छूट

दायरे में नहीं आएंगे 25 हजार वार्षिक शुल्क से कम लेने वाले स्कूल

भोपाल (नप्र)। स्कूलों का शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। राज्य सरकार निजी स्कूलों की फीस नियंत्रण को लेकर संशोधित कानून को विस्तृत नियम बनाकर इसी बार से लागू करने जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने 11 मार्च को नियमों का प्रारूप जारी कर संबंधित पक्षों से 30 दिन के भीतर आपत्ति एवं सुझाव मांगे हैं। इसके आधार पर परीक्षण कर नियमों को अंतिम रूप देकर लागू कर दिया जाएगा।

इसमें यह प्रावधान किया गया है कि ऐसे निजी स्कूल जिनका वार्षिक शुल्क 25 हजार रुपये से कम है, वे इस कानून के दायरे में नहीं आएंगे।इसके लिए सरकार मध्य प्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन)-2020 के नियम में संशोधन करने जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग के उपसचिव ओएल मंडलोई ने अधिसूचना जारी करते हुए उल्लेखित किया है कि 30 दिन बाद जो आपत्तियां या सुझाव आएंगे, उन पर विचार कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। जो स्कूल इस नियम के दायरे में नहीं आएंगे, उन्हें नोटरीकृत शपथ पत्र पोर्टल पर अपलोड करना होगा।

राज्य स्तरीय समिति 45 दिन में करेगी मामले का निपटारा- संशोधित फीस नियंत्रण कानून का पालन करवाने के लिए जिला स्तर पर बनी विभागीय समिति की निगरानी राज्य स्तरीय समिति करेगी। इसके अध्यक्ष विभागीय मंत्री होंगे।

राज्य स्तरीय समिति विभागीय समिति द्वारा लगाए जाने वाले दंड को घटा, बढ़ा या फिर निरस्त कर सकेगी। राज्य स्तरीय समिति को 45 दिन के भीतर आपत्तियों का निपटारा करना होगा।

किसी भी निजी स्कूल द्वारा 15 प्रतिशत से अधिक की फीस वृद्धि संबंधी निर्णय के अतिरिक्त सभी मामलों में राज्य स्तरीय विभागीय समिति का निर्णय अंतिम होगा। यही अपील की सुनवाई करेगी और उसका निर्णय अंतिम एवं बंधनकारी होगा।

निजी स्कूलों पर ऐसे होगा नियंत्रण - बस फीस वार्षिक शुल्क में जुड़ेगी। 10 प्रतिशत से अधिक फीस नहीं बढ़ा पाएंगे।

अलंकार ज्वैलर्स और गोल्डन सिटी के ठिकानों पर सर्वे

अल्फा कम्युनिकेशन पर निकली 15 करोड़ की टैक्स चोरी

भोपाल (नप्र)। आयकर विभाग ने गुरुवार को राजधानी के न्यू मार्केट स्थित अलंकार ज्वेलर्स और चूनाभट्टी स्थित गोल्डन सिटी बिल्डर के दफ्तर में सर्वे की कार्यवाही शुरू की है। दोपहर बाद शुरू की गई इस कार्रवाई में दोनों ही प्रतिष्ठानों से करोड़ों रुपए की आयकर चोरी का खुलासा होने की संभावना है।

उधर चूना भट्टी स्थित अल्फा कम्युनिकेशन और अल्फा सॉल्यूशंस के संचालक सौरभ अग्रवाल पर करीब 15 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी निकली है।

गुरुवार को आयकर विभाग द्वारा की जा रही सर्वे की कार्यवाही में न्यू मार्केट स्थित अलंकार ज्वेलर्स के यहां सोने के आभूषणों की बिक्री में वास्तविक कीमत छिपाने के मामले में कार्यवाही हो रही है। बताया जाता है कि इस प्रतिष्ठान के संचालकों द्वारा टैक्स बचाने के लिए पक्के बिल जारी नहीं किए। बोगस बिल जारी किए जा रहे हैं। इसके आधार पर विभाग की टीम जांच कर रही है। दोपहर बाद यहां पहुंची टीम ने अलंकार ज्वेलर्स के रिकॉर्ड और बिलों की जांच शुरू कर दी है।

उधर चूनाभट्टी के समीप स्थित गोल्डन सिटी के संचालक और बिल्डर मनीष जैन के दफ्तर पर भी आयकर विभाग ने सर्वे शुरू किया है। जैन के द्वारा भूमि और भवन के बिक्री में सभी तरह के टैक्स का भुगतान नहीं किए जाने और नगद लेनदेन के मामले में यह कार्रवाई की जा रही है। जैन को भी एमपी के पूर्व मुख्य सचिव का करीबी बताया जा रहा है।

सौरभ अग्रवाल पर 15 करोड़ की रिकवरी- आयकर विभाग ने इसके पहले चूना भट्टी स्थित अल्फा कम्युनिकेशन और अल्फा सॉल्यूशंस के संचालक सौरभ अग्रवाल के ठिकाने पर भी होली के पहले चार दिन तक लगातार सर्वे की कार्यवाही की थी। इसके बाद सौरभ अग्रवाल के यहां से करीब 15 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी सामने आई है। बताया जाता है कि अभी अग्रवाल ने टैक्स की राशि सरेंडर नहीं की है। इसलिए इस मामले में कुछ और लोगों के बयान लेने के बाद आयकर विभाग टैक्स चोरी के आदेश जारी करेगा।

जबलपुर से इंदौर ट्रेन का सफर 2 घंटे होगा कम, इटारसी से बुदनी होकर बिछेगी नई रेल लाइन

रेल लाइन परियोजना के लिए 3261.82 करोड़ रुपये की मंजूरी दी

भोपाल/ जबलपुर (नप्र)। जबलपुर से इंदौर के बीच नई रेल लाइन गाडवारा-बुदनी होकर नहीं इटारसी-बुदनी-खातेगांव होकर बन रही। ये लाइन इंदौर-देवास रेल लाइन में मांगलिया गांव के पास जुड़ेगी। इस रास्ते में भोपाल नहीं पड़ेगा।

इस नई लाइन के बनने के बाद जबलपुर से इंदौर के सफर का समय दो घंटे तक कम हो जाएगा। जबलपुर-इंदौर (गाडरवारा एवं बुदनी होकर) नई रेल लाइन की प्रगति पर नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह चौधरी द्वारा पूछे गए सवाल पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में ये जानकारी दी।

रेल मंत्री ने बताया कि बुदनी से इंदौर के बीच नई रेल लाइन निर्माण कार्य प्रक्रिया में है। इस परियोजना के गाडरवारा-बुदनी रेलखंड के दोनों अंतिम स्टेशन पूर्व से इटारसी होकर रेलमार्ग से जुड़े हुए हैं।

आठ साल पुरानी परियोजना

दोनों के मध्य नवीन रेल लाइन से उनकी दूरी में ज्यादा अंतर नहीं आ रहा है। इसलिए गाडरवारा-बुदनी के मध्य नई रेल लाइन बिछाना तर्कसंगत नहीं है। आठ वर्ष पुरानी परियोजना- जबलपुर(गाडरवारा)-इंदौर (मांगलियागांव) नई रेल लाइन की घोषणा वर्ष 2016-17 के बजट में हुई थी।

उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में था। वर्ष 2021-22 के बजट में एक हजार रुपये के आवंटन से परियोजना की बंद फाइल फिर खुल गई। उसके बाद के बजट में भी परियोजना को आवंटन जारी हुए। गत दो बजट में आवंटन बढ़ने के बाद परियोजना के इंदौर-बुदनी रेलखंड में रेल लाइन निर्माण प्रक्रिया ने गति पकड़ी।

इंदौर-बुदनी का कार्य जारी

लोकसभा में रेल मंत्री ने बताया कि इंदौर (मांगलियागांव) और बुदनी के बीच (205 किलोमीटर) नई रेल लाइन का कार्य 3261.82 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत किया गया है। मार्च-2024 तक 948.37 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं। वर्ष 2024-25 के लिए इस परियोजना को 1107.25 करोड़ रुपये आवंटित किया गया है। रेल लाइन निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया की जा रही है।

चार किमी का अंतर

इटारसी होकर गाडरवारा से बुदनी रेल मार्ग से जुड़ा है, जिसकी दूरी 141 किमी है। इंदौर नई रेल लाइन परियोजना में प्रस्तावित गाडवारा-बुदनी रेलखंड की दूरी 137 किमी है। मात्र चार किलोमीटर की दूरी कम करने के लिए अलग से लाइन बिछाना रेलवे को अब खर्चीला लग रहा है।

अब दमोह में पुलिस पर हमला

आरोपी को लेकर हथियार जब्त करने गई थी पुलिस, चला दी गोली

दमोह (नप्र)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले के देहात थाना अंतर्गत ग्राम मराहार में गुरुवार की सुबह पुलिस 23 अपराधों के आरोपी कासिम खान को पकड़कर अवैध रूप से रखे हुए हथियारों की तलाश में गई थी। इस दौरान आरोपी द्वारा पुलिस टीम पर फायर कर दिया, जिससे जबलपुर नाका चौकी प्रभारी एएसआई आनंद अहिरवार के हाथ में गोली लगने से घायल हो गए।

पुलिस द्वारा अपने बचाव में आरोपी पर भी फायर किया जो उसके पैर में लगा। दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से एएसआई आनंद अहिरवार को जबलपुर एवं आरोपी कासिम खान को मेडिकल कॉलेज सागर रेफर किया गया है।

23 केस में वांटेड आरोपी है कासिम कसाई- इस संबंध में पुलिस अधीक्षक श्रुति कीर्ति सोमवंशी ने बताया कि गऊ कशी सहित अन्य 23 मामलों में वांटेड आरोपी कासिम कसाई को पुलिस द्वारा नागपुर से गिरफ्तार किया गया था। इसके उपरांत आरोपी द्वारा छुपाए गए अवैध हथियारों को पकड़ने के लिए कोतवाली एवं देहात थाना पुलिस की टीम संयुक्त रूप से आरोपी के द्वारा बताए गए स्थान पर गुरुवार की सुबह ले जाया गया था।

पिस्टल से कर दिया पुलिस पर फायर- जहां पर उसके द्वारा जिन स्थानों पर अवैध शस्त्र रखे हुए थे। उस स्थान पर पहुंचकर उसने उन्हें शस्त्रों में से एक पिस्टल द्वारा पुलिस पर फायर कर दिया। जिससे जबलपुर नाका चौकी प्रभारी आनंद अहिरवार के बाएं हाथ में लगी और उन्होंने अपने आप को बचा लिया।

एम्स भोपाल में होगा एसोसिएशन ऑफ कोलन एंड रेक्टल सर्जन्स ऑफ इंडिया का 28वां इंस्ट्रक्शनल कोर्स

भोपाल। इंस्ट्रक्शनल कोर्स और एफएसीआरएसआई परीक्षा एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में जनरल सर्जरी विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ कोलन एंड रेक्टल सर्जन्स ऑफ इंडिया का 28वां इंस्ट्रक्शनल कोर्स और फेलोशिप ऑफ द एसोसिएशन ऑफ कोलोन एंड रेक्टल सर्जन्स ऑफ इंडिया परीक्षा 2 अप्रैल से 6 अप्रैल 2025 तक आयोजित की जाएगी। तीन दिवसीय इस इंस्ट्रक्शनल कोर्स में कोलोरेक्टल सर्जरी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों पर आधारित वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। पहले दिन सर्जिकल स्टेपलर्स पर, दूसरे दिन स्टोमा एप्लायंसेज पर, और तीसरे दिन प्रोक्टोलॉजी में लेजर के उपयोग पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इन सत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा। देश और विदेश के जाने-माने कोलोरेक्टल सर्जन्स और विशेषज्ञ इस कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करेंगे। कोलोरेक्टल सर्जन्स वे विशेषज्ञ डॉक्टर होते हैं जो बड़ी आंत (कोलन), मलाशय (रेक्टम) और गुदा (एनस) से जुड़ी बीमारियों का निदान और इलाज करते हैं। इंस्ट्रक्शनल कोर्स के बाद, एसीआरएसआई फैलोशिप प्राप्त करने के इच्छुक उम्मीदवारों को कड़ी परीक्षा प्रक्रिया से गुजरना होगा। पहले दिन, उम्मीदवारों का मूल्यांकन बहुविकल्पीय प्रश्न लघु और विस्तृत उत्तर वाले प्रश्नों के साथ-साथ टेबल वाइवा के माध्यम से किया जाएगा। दूसरे दिन, उनका मूल्यांकन दो लघु केस स्टडी और एक विस्तृत केस स्टडी के माध्यम से किया जाएगा। एम्स भोपाल चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यक्रम कोलोरेक्टल सर्जरी के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

प्रो. सिंह ने इस कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, इस प्रतिष्ठित कोर्स और परीक्षा की मेजबानी करना चिकित्सा शिक्षा और सर्जिकल विशेषज्ञता को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग की टीम को सफल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह और हृदय प्रत्यारोपण करने वाली डॉक्टरों की टीम को पर्यावरण सांस्कृतिक संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट द्वारा सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन और मुख्य अतिथि के रूप में मुंबई से आये पी. एन. बी. (सी. ओ.) व सीबीआई में स्वतंत्र अधिकारी के रूप में कार्य कर चुके सेवा सुश्रुत श्रेष्ठी यशवंत एस. जैन ने एम्स के चिकित्सकों की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर आभार व्यक्त किया। प्रो. सिंह ने कहा, यह केवल एम्स भोपाल ही नहीं, बल्कि पूरे मध्य भारत के लिए गर्व का विषय है। इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि हमारी मेडिकल टीम किसी भी चुनौतीपूर्ण सर्जरी को करने में सक्षम है। अब एम्स भोपाल में हार्ट ट्रांसप्लांट सर्जरी नियमित रूप से की जाएंगी और जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क सेवाएं प्रदान की जाएंगी। हमने इस प्रक्रिया को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाने का भी प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है, जिससे अधिक से अधिक मरीजों को लाभ मिलेगा। एम्स भोपाल के इस प्रयास से प्रदेश के गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं प्राप्त होंगी। हार्ट ट्रांसप्लांट की सुविधा मिलने से अब मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अन्य शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

एम्स में 'ड्रग्स ऑफ एब्यूज़' पर छात्र सेमिनार का आयोजन, नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने की पहल

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग ने फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी और साइकियाट्री विभाग के सहयोग से ड्रग्स ऑफ एब्यूज़ विषय पर एक छात्र सेमिनार का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को शिक्षित करना और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस सेमिनार की विशेष बात यह थी कि इसमें विभिन्न विषयों पर अंडरग्रेजुएट छात्रों ने जोड़ी बनाकर प्रस्तुतिकरण दिए। चर्चाओं में परिभाषाएँ और शब्दावली, निकोटीन, कैनाबिनोइड्स, एम्फेटामिन, कोकीन, हैल्युसिनोजेन्स, इनहेलेंट्स और वेपिंग, कैफीन और व्यसनमुक्ति के सिद्धांत जैसे विषय शामिल थे। कार्यक्रम का समन्वयन फार्माकोलॉजी विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. शुभम अटल ने किया, जिसमें फैकल्टी मेंबर्स, सीनियर और जूनियर रेजिडेंट्स, तथा एमबीबीएस छात्रों ने भाग लिया।

प्रस्तुतिकरणों का मूल्यांकन वरिष्ठ फैकल्टी मेंबर्स की तीन सदस्यीय जूरी द्वारा किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार मयंक और चार्वक ने जीता, द्वितीय पुरस्कार अंचित और क्रिश को मिला, और तृतीय पुरस्कार युविका और सुज़ान को प्रदान किया गया। छात्रों ने एक रोचक और इंटरैक्टिव क्विज़ का भी आयोजन किया, जिससे कार्यक्रम और भी प्रभावी हो गया। प्रस्तुतिकरणों का मार्गदर्शन और मूल्यांकन करने वालों में फार्माकोलॉजी विभाग के प्रो. बालकृष्ण एस, प्रो. रतींदर झाज, प्रो. शिल्पा एन. काऊरे, डॉ. अजय कुमार शुक्ला, डॉ. अहमद नजमी, डॉ. सौम्या सिंह, और डॉ. फ्लोरेंस जॉय शामिल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में एफएमटी विभाग की प्रोफेसर डॉ. जयंती यादव, अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. अतुल केचे, और साइकियाट्री विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. तन्मय जोशी ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और नशे की समस्या पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, नशे की लत के प्रति जागरूकता बढ़ाना स्वस्थ समाज के लिए जरूरी है। छात्रों को इसके हानिकारक प्रभावों के बारे में बताना न केवल उन्हें सही निर्णय लेने में मदद करता है, बल्कि वे दूसरों को भी जागरूक कर सकते हैं।

भोपाल की पॉश कॉलोनी में युवक को जमकर पीटा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एयरपोर्ट रोड की ऑर्किड मेजेस्टी कॉलोनी में एक दर्जन से अधिक हथियारबंद बदमाशों ने एक युवक को बेरहमी से पीट दिया। घटना का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें बदमाश कॉलोनी के कवर्ड कैंपस में जबरन गेट खोलकर दाखिल होते और हंगामा मचाते दिखाई दे रहे हैं। घटना बुधवार देर रात की है। गुरुवार सुबह पुलिस ने बलवा-मारपीट की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर पांच युवकों को हिरासत में लिया गया है।

एसआई कन्हैयालाल यादव ने बताया कि बुधवार रात कुछ लड़के कॉलोनी के गेट और आसपास शराब पी रहे थे। इस पर कॉलोनी वालों ने ऐतराज जताया। रहवासियों ने लड़कों को रोका, तो बहस हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि लगभग दो दर्जन बदमाश डंडे लेकर कॉलोनी में घुस आए और मारपीट शुरू कर दी। एक युवक को सिर में डंडा लगने से चोट आई है। रहवासियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पहुंची के मौके पर पहुंचने से पहले ही हमलावर भाग चुके थे।

जान बचाने घरों में घुसे रहवासी

फुटेज में युवकों को बेरहमी से मारपीट करते साफ देखा जा सकता है। कॉलोनी के रहवासी जान बचाने के लिए घरों में घुसते नजर आ रहे हैं। कॉलोनी में अफरा-तफरी का माहौल है। बदमाश एक युवक को बेरहमी से पीट रहे हैं। डंडों से उस पर ताबड़तोड़ वार किए जा रहे हैं। हमले में करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। फरियादी आनंद टहलानी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। बदमाशों ने कॉलोनी में करीब एक घंटे तक हंगामा मचाया। युवकों की धरपकड़ के लिए पुलिस की टीमें सुबह 5 बजे तक दबिश देती रहीं। इस दौरान पांच युवकों को हिरासत में लिया गया है। बाकी बदमाशों की तलाश की जा रही है।

राइट क्लिक

बिहार: क्या भाजपा के लिए गेम चेंजर होगा, माता सीता का मंदिर ?

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।

संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

घनघोर जातिवाद के चक्रव्यूह में घिरे बिहार में सीता माता का भव्य मंदिर बनाने की घोषणा क्या आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए 'गेमचेंजर' साबित होगी? क्या राम मंदिर आंदोलन की तरह सीता मंदिर का मुद्दा भी बिहार में जातीय गोलबंदी को तोड़ने में कामयाब होगा? क्या भाजपा इसे लहर में बदल कर राज्य में अपना वोट बैंक 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ा पाने में कामयाब होगी? क्या नीतीश की अगुवाई में फिर एनडीए और प्रकारांतर से भाजपा की सरकार बनेगी? भाजपा के हिंदुत्ववादी एजेंडे के मद्देनजर क्या नीतीश चुनाव बाद भी एनडीए में रहेंगे या फिर पहले ही पाला बदलकर लालू के साथ हो जाएंगे? यह भी कि कल तक खुद को परिवारवाद से ऊपर बताने वाले नीतीश कुमार पिछले दरवाजे से अपने इकलौते बेटे निशांत की ताजपोशी की जो जमावट कर रहे हैं, उसका नतीजा क्या होगा? और क्या अब तक हाशिए पर पड़ी कांग्रेस कन्हैया कुमार की अगुवाई में अपनी खोई जमीन? फिर पाने में कामयाब होगी? ये कुछ ऐसे अहम सवाल हैं, जिन पर राजनीतिक विश्लेषकों की गहरी नजर है। बिहार में विस चुनाव यूं तो इस साल अक्टूबर या नवंबर में संभावित हैं, लेकिन राजनीतिक गोटियां अभी से चली जाने लगी हैं। इनमें भी सबसे अहम है केन्द्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा राज्य में सीता माता का मंदिर बनाने का ऐलान और नीतीश पुत्र निशांत की सियासत के रिंग में पेश कदमी।

बिहार में अपने दम पर सत्ता में आना या कम से कम अपनी अगुवाई में सरकार बनाना भाजपा का पुराना सपना है। लेकिन बिहार का जातीय और राजनीतिक गणित कुछ ऐसा जटिल है कि जाति के आगे वहां हर मुद्दा फेल हो जाता है। यह शायद अकेला राज्य है, जहां व्यक्ति की पहचान उसकी योग्यता से ज्यादा उसकी जाति से होती है। हालांकि भाजपा की यही कोशिश रही है कि बिहार के लोग जातीय गोलबंदी से निकलकर धार्मिक छतरी में लामबंद हो जाएं। राज्य के 82 फीसदी बहुसंख्यक हिंदू समाज भगवा रंग में रंगकर एकजुट हो। इसकी जमीन तैयार का जिम्मा बाबा बागेश्वर जैसे कथा वाचकों को सौंपा गया है। संघ भी इसी मिशन में लगा है। लेकिन अगड़े, पिछड़े, अति पिछड़े, दलित और महादलित में बुरी तरह बंटा हिंदू समाज भगवा रंग में रंग में कितना रंग पाएगा, कहना मुश्किल है। क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन भी लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार में बहुत ज्यादा असर नहीं दिखा पाया। भाजपानीत एनडीए को जो कामयाबी मिली, वो वोटों की सटीक जातीय गोलबंदी के कारण ज्यादा थी। बिहार में जाति के साथ राजनीतिक वर्चस्व और दबंगई की लड़ाई भी साथ चलती है। ऐसे में भाजपा ने इस बार अपने तरकश से 'सीता माता मंदिर' का ब्रह्मास्त्र निकाला है। अगर अयोध्या सीताजी की ससुराल है तो बिहार के मिथिलाचंल का सीतामढ़ी सीता मैया का मायका है। हालांकि सीता मंदिर को लेकर कोई धार्मिक तनाव और जमीन का झगड़ा नहीं है (एक धोबी, जिसे तबका सोशल मीडिया मानें तो उसके द्वारा रावण की कैद में सीता के चरित्र पर उठाई उंगली को छोड़ दें)। अलबत्ता 'सीताराम चरित अति पावन' होने की वजह से यह मुद्दा हिंदू महिलाओं को गहरे तक प्रभावित कर सकता है। सीता माता एकनिष्ठ पत्नी और अपने चरित्र की निष्कलंकता सिद्ध करने के लिए अग्नि परीक्षा से गुजरने वाली दिव्य स्त्री के रूप में पूजनीय है और पुरूष प्रधान समाज में आदर्श भारतीय नारी की परिकल्पना का मूर्तिमंत स्वरूप हैं।

गौरतलब है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में पिछले दिनों आयोजित 'शाश्वत मिथिला महोत्सव 2025' में ऐलान किया कि मिथिला (बिहार का मिथिलांचल) में जल्द ही माता सीता का भव्य मंदिर बनेगा। उन्होंने कहा कि 'संवाद से समाधान' की परंपरा मिथिला की भूमि से ही विकसित हुई है। शाह ने यह भी कहा कि मिथिलांचल माँ सीता की जन्मभूमि और उनके पिता जनक जैसे विद्वान राजर्षि की भूमि है। उल्लेखनीय है कि मिथिला के राजा जनक की पुत्री और राजकुमारी होने के कारण सीताजी को मैथिली भी कहा जाता है।

मिथिलांचल दरअसल बिहार का उत्तर-पूर्वी इलाका है, जिसमें राज्य के 21 जिले आते हैं। इसमें नेपाल से लगा सीतामढ़ी जिला भी शामिल है। सीतामढ़ी जिले का पुनौरा धाम माता सीता का जन्म स्थान माना जाता है। यहां हर साल फाल्गुन माह के कृष्णपक्ष की अष्टमी को सीता जयंती मनाई जाती है। माना जाता है कि सीताजी राजा जनक को खेत में हल चलाते समय मिली थीं। धार्मिक पर्यटन के नक्शे में सीतामढ़ी रामायण सर्किट का हिस्सा है, जो रामायण में वर्णित 15 महत्वपूर्ण स्थानों का एक समूह है। सीतामढ़ी में एक प्राचीन जानकी (सीता) मंदिर पहले से है।

वैसे अमित शाह ने इसका ऐलान अभी किया हो, लेकिन सीतामढ़ी में सीता माता का मंदिर बनाने के प्रयास पहले से जारी हैं। राज्य सरकार ने मौजूदा मंदिर के आसपास 50 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। यह जमीन उस 16.63 एकड़ के अतिरिक्त है, जिसे बिहार सरकार ने मौजूदा मंदिर परिसर के आसपास पुनर्विकास के लिए पहले से अधिग्रहित किया हुआ है। इसके लिए बिहार सरकार ने 72 करोड़ रू. आवंटित भी किए थे। कहा जा रहा है कि सीता मंदिर का निर्माण राम मंदिर की तर्ज पर एक सार्वजनिक ट्रस्ट के जरिए पैसे जुटाकर किया जाएगा। अयोध्या राम मंदिर के आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा प्रस्तावित मंदिर स्थल का दौरा पहले ही कर चुके हैं। सीता मंदिर के लिए 51 शक्ति पीठों से मिट्टी मंगवाई जाएगी। मंदिर में माता सीता की 251 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित होगी। मं दिर निर्माण की कार्यवाही रामायण रिसर्च काउंसिल के तत्वावधान में हो रही है। काउंसिल के ट्रस्टी राजीव कुमार सिंह के अनुसार मां जानकी (सीता) के मंदिर का निचला भाग वृत्ताकार होगा। उसके चारों ओर से मां के 108 विग्रह (स्वरूपों) को प्रदर्शित किया जायेगा।

यूं सीताजी का जन्मस्थान और मायके को लेकर और भी मान्यताएं हैं। मसलन पटना के बक्सी मोहल्ला में भी सीता माता का मंदिर है। माना जाता है कि श्रीराम से विवाह के बाद ससुराल जाते समय माता सीता की पालकी (डोला) इसी स्थान पर रखी गई थी। सीताजी का एक मंदिर उत्तराखंड में चमोली जिले के जोशीमठ क्षेत्र में स्थित चांई गांव में भी है। जहां केवल सीताजी की ही मूर्ति है। इसी प्रकार नैनीताल में जिम कॉर्बेट पार्क में सीतावनी मंदिर है। मान्यता है कि निर्वासन के बाद सीता माता ने यहां भी कुछ साल व्यतीत किए थे। इसी तरह नेपाल के जनकपुर धाम को भी सीता का मायका माना जाता है। यही कारण है कि श्रीराम का ससुराल पक्ष होने के कारण जनकपुर वासियों ने अयोध्या में राम मंदिर में भगवान राम की प्रतिमा निर्माण के लिए नेपाल से काली गंडकी नदी से निकाली गई राम शिला भेजी थी। वैसे सीतामढ़ी और जनकपुर में करीब 53 किमी की दूरी बताई जाती है।

सीतामढ़ी में ही सीताजी का मंदिर बने, इस पर विपक्ष की राजनीतिक आपत्ति के अलावा शायद ही किसी को ऐतराज हो। लेकिन क्या यह मंदिर भाजपा की राजनीतिक रामायण का सुंदरकांड भी साबित होगा, इसको लेकर कई सवाल हैं। सीता मंदिर निर्माण के ऐलान में छिपे राजनीतिक बारूद को भांपते हुए बिहार में विपक्षी दल राजद ने कहा कि 'बिहार को मंदिर से ज्यादा अस्पताल, सड़क और रोजगार की जरूरत है।' बिहार में 18 फीसदी मुस्लिम वोट हैं। राजद व अन्य सहयोगी पार्टियां मंदिर निर्माण का खुलेआम समर्थन कर इस वोट बैंक को फिसलने देना नहीं चाहतीं। राजद का मुख्य जनाधार 27.12 फीसदी ओबीसी और 18 फीसदी मुस्लिम वोट हैं। जबकि राज्य में 36.01 प्रतिशत अति पिछड़े यानी ईबीसी की का बड़ा हिस्सा नीतीश कुमार के साथ हैं। यही नीतीश की ताकत है और इसी कारण भाजपा नीतीश का दामन चाह कर भी छोड़ नहीं पा रही है। नीतीश की पार्टी जद यू को भी थोड़ा बहुत मुस्लिम वोट मिल जाता है। जबकि भाजपा का वोट बैंक तमाम कोशिशों के बाद भी 20 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पा रहा है और यह वोट भी मुख्यतः अगड़ी जातियों का है। दूसरी तरफ कांग्रेस का वोट बैंक कुछ अगड़े और कुछ मुस्लिम वोटों से बनता है। राज्य में कन्हैया कुमार को आगे कर कांग्रेस ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह विस चुनाव दमदारी से लड़ेगी और राजद के मुस्लिम वोटों में भी सेंध लगाएगी। चाहे उसे अकेले ही क्यों न लड़ना पड़े। जानकारों के अनुसार अगर ऐसा हुआ तो ज्यादा नुकसान भाजपा को होगा, क्योंकि अगड़ा वोट दोनों पार्टियों में बंट सकता है। सो भाजपा को लग रहा है कि सीता मैया की कृपा रही तो कम से कम अगड़ा वोट तो उसके साथ रहेगा ही और पिछड़ों में भी सेंध लग सकती है। हालांकि पिछड़ों में भी यादव लगभग पूरी तरह से राजद के साथ हैं। हालांकि सीता मंदिर का समर्थन जद यू ने और चिराग पासवान की दलित पार्टी लोजपा ने भी किया है। जिनकी आबादी प्रदेश में 19.65 प्रतिशत है। पासवान इस बार एनडीए के साथ ही चुनाव लड़ेंगे। राज्य में एनडीए का सम्मिलित वोट 45 फीसदी से ज्यादा है। अब देखना यह है कि सीतामढ़ी में सीता मंदिर का शिलान्यास कब होता है, विस चुनाव से पहले या उसके बाद?

॥ मंदिरम् ॥

62

वराह मंदिर कंवला मध्यप्रदेश

कंवला गांव (मंदसौर,) क्षेत्र का एक प्राचीनतम गांव है। यह मंदसौर से 145 किमी और भानपुरा से 11 किमी है। कंवला का प्राचीन नाम कमालपुर है। वराह मंदिर, चतुर्भुज मंदिर, लक्ष्मीकांत मंदिर तथा जैन मंदिर इस गाँव की अमूल्य निधि हैं। इन मंदिरों में वराह मंदिर सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं आकर्षक है। भूमिज शैली में निर्मित यह मंदिर परमारकालीन है। मंदिर के गर्भगृह में वराह की सुन्दर प्रतिमा है। ग्राम के अंतिम छोर पर स्थित चतुर्भुज मंदिर मालवा क्षेत्र के संरक्षित स्मारकों में है। भूमिज शैली में निर्मित इस चतुर्भुज मंदिर का शिखर उड़ीसा के मंदिर के रेखा शिखर की भांति निर्मित है। इसका शिखर ऊन के मंदिर के शिखर के समान है। लक्ष्मीनारायण मंदिर के नजदीक ही जैन मंदिर है, जो सास-बहु मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर का गुम्बद मांडू के स्मारक से साम्य रखता है। इसका निर्माण काल 6-7 वीं शताब्दी के आसपास माना गया है। कंवला गांव में प्राकृतिक सौंदर्य तथा आदिमानव द्वारा उत्कीर्ण शैलचित्र मौजूद हैं।

'ससुराल गेंदा फूल' फेम रेखा भारद्वाज भोपाल में करेंगी परफॉर्म

19 अप्रैल को 'राग फेस्ट'; आज से टिकट बुकिंग शुरू

भोपाल (नप्र)। भोपाल के संगीत प्रेमियों के लिए एक खास संगीतमयी शाम का आयोजन किया जा रहा है। 19 अप्रैल को होटल लेक व्यू रेसीडेंसी के एमपीटी ड्राइव इन सिनेमा ग्राउंड पर आयोजित 'राग फेस्ट' में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और बॉलीवुड की मशहूर गायिका रेखा भारद्वाज अपनी जादुई आवाज का जादू बिखेरेंगी। वह सूफी, बॉलीवुड और गजल के बेहतरीन गीतों को अपने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत करेंगी। इस इवेंट का आयोजन एकोएज मीडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

इस फेस्टिवल का उद्देश्य भोपाल और मध्यप्रदेश के युवाओं और संगीत प्रेमियों को भारतीय संगीत की गहराइयों से जोड़ना है। 'राग फेस्ट' में अन्य प्रतिष्ठित कलाकारों का भी शानदार परफॉर्मेंस होगा। इसके लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग 20 मार्च से शुरू होगी। एकोएज मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सुनील शर्मा ने कहा- राग फेस्ट न केवल भोपाल के संगीत प्रेमियों के लिए बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए एक अनूठा अवसर है। हम चाहते हैं कि इस आयोजन के माध्यम से भारतीय संगीत की समृद्धि को उजागर किया जाए और इसे एक सांस्कृतिक पहचान के रूप में स्थापित किया जाए। भोपाल जैसे सांस्कृतिक शहर में इस तरह का आयोजन प्रदेश की संगीत परंपरा को आगे बढ़ाने में सहायक होगा।

विधानसभा से विपक्ष का वॉकआउट

सौरभ शर्मा मामले में सीबीआई जांच की मांग; कटारे बोले- नियुक्ति के लिए मंत्री ने लिखा था

भोपाल (नप्र)। विधानसभा के बजट सत्र का आज गुरुवार को सातवां दिन है। सदन में कांग्रेस विधायकों ने आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा मामले की सीबीआई जांच की मांग की। उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा- 2016 में तत्कालीन परिवहन मंत्री ने सौरभ शर्मा की नियुक्ति के लिए पत्र लिखा था। मंत्री के निर्देश के आधार पर ही प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई थी।

सीबीआई जांच की मांग के बीच ही स्पीकर ने दूसरे ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा के लिए विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह को बुलाया। इस पर कांग्रेस विधायक, नेता प्रतिपक्ष के टेबल के पास इकट्ठा होकर नारेबाजी करने लगे। फिर सदन से वॉक आउट कर दिया।

कुंभकर्ण के वेश में विधानसभा पहुंचे विधायक, सड़क पर सोए- महिदपुर से कांग्रेस विधायक दिनेश जैन बोस कुंभकर्ण के गेटअप में विधानसभा पहुंचे। उन्होंने सड़क पर लेटकर सरकार पर परिवहन घोटाले, बेरोजगारी औ किसानों के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और कांग्रेस के विधायकों ने पुंगी बजाकर उन्हें उठाने की कोशिश की।

इस प्रदर्शन पर मंत्री विश्वास सारंग ने कहा- कांग्रेस फोटो खिंचाने के लिए प्रदर्शन कर रही है। विधानसभा में जनता की समस्याओं के बारे में चर्चा होनी चाहिए। हम इसके लिए हर समय तैयार हैं।

बैरिया बोले- अस्पतालों में बिजली सप्लाई लगातार बनी रहे- ऊर्जा विभाग की मांगों पर चर्चा के दौरान भांडेर विधायक फूल सिंह बरैया ने कहा कि प्रदेश में आबादी के हिसाब से सब स्टेशनों की संख्या घट रही है। भांडेर में 50 बिस्तर का अस्पताल है, लेकिन यहां बिजली नहीं है। पिछले दिन एक महिला की टॉर्च की रोशनी में डिलीवरी करनी पड़ी थी। जब मैंने मौके पर जाकर देखा तो बिजली सप्लाई केंद्र बनाया गया था, वहां कुत्ते सो रहे थे। सरकार को चाहिए अस्पतालों में बिजली सप्लाई लगातार बने रहे, ताकि किसी की जान न जाए।

मंत्री सारंग बोले- कांग्रेस को जनता माफ नहीं करेगी

मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सही मायने में विधानसभा का मजाक बनाकर, इस मंच का दुरुपयोग अगर किसी से सीखना है तो कांग्रेस से सीखना चाहिए। मैं पहले भी कह चुका हूं कि फोटो अपॉरच्युनिटी के लिए, मीडिया में आने के लिए इस पवित्र मंच का दुरुपयोग करेंगे तो जनता हमें माफ नहीं करेगी। यहां सदन में आकर बहस कीजिए।

सिंघार बोले- आदिवासी इलाकों में डॉक्टर नहीं

डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि बी और सी कैटेगरी के शहरों में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल खोलने की तैयारी सरकार कर रही है। शुक्ला के संबोधन के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि आदिवासी इलाकों में आज भी स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था झोलाछाप डॉक्टरों के हवाले हैं।

15 अप्रैल से सभी जिला अस्पतालों में शव वाहन की सुविधा: मंत्री शुक्ला

मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि मध्य प्रदेश की पहल पर केंद्र सरकार ने डे केयर सेंटर खोलने का काम देशभर में शुरू किया है। 2003 में 497 महिलाओं की प्रसव के दौरान मौत हो जाती थी जो अब घटकर 173 रह गई है। हवाई सेवा के जरिए ऑर्गन एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने और ट्रांसप्लांट करने के काम में तेजी आई है। 15 अप्रैल से सभी जिला अस्पतालों में शव वाहन की सुविधा मिलने लगेगी। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। मृत्यु होने की दशा में गरीबों के परिजन को सम्मान के साथ उनके गांव तक पहुंचाने की व्यवस्था इन वाहनों से की जाएगी।

मंत्री बोले- बजट जरूरतों के हिसाब से बढ़ रहा

लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के बाद डिप्टी सीएम और विभाग के मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के बजट में 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। हमारा बजट जरूरतों की पूर्ति के हिसाब से बढ़ रहा है।

मेडिकल कॉलेज के उन्नयन की राशि बढ़ाने का ऐलान

इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने इंदौर, सतना और रीवा मेडिकल कॉलेज का उन्नयन करने के लिए राशि बढ़ाने का ऐलान भी किया। डिप्टी सीएम के प्रस्ताव के बाद लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की अनुदान मांगों को पारित घोषित किया गया।

अनियमितता के आरोप

उत्तर बालाघाट डीएफओ अभिनव पल्लव को चार्जशीट देने की तैयारी

भोपाल (नप्र)। आर्थिक अनियमितताओं के आरोपों में घिरे 2014 बैच के आईएफएस अधिकारी अभिनव पल्लव को वन विभाग चार्जशीट जारी करने जा रहा है। पल्लव उत्तर बालाघाट वन मंडल में डीएफओ के पद पर पदस्थ हैं। उन पर लघु वनोपज संघ की राशि से आदिवासी अंचल में लगभग 3 करोड़ रुपए से कराए गए निर्माण, बोरवेल खनन जैसे कामों में नियम विरुद्ध तरीके से भुगतान, बिना टेंडर प्रक्रिया के एक ही ठेकेदार को लाभ पहुंचाने, कमीशन के लालच में एक साल तक भुगतान रोककर रखने और बाद में मंजूर राशि से अधिक भुगतान करने जैसे आरोप है।

इस मामले में मिली शिकायत की प्रारंभिक जांच में आरोपों की पुष्टि हुई है। हाल ही में विधानसभा में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे की ओर से पूछे गए सवाल के जबाव में वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने बताया कि जांच कराने के बाद आरोप सही पाए गए हैं। लघु वनोपज संघ के एमडी विभाष ठाकुर के मुताबिक जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोप पत्र बनाकर शासन को भेज दिया है। कार्रवाई का निर्णय शासन स्तर पर लंबित है। बालाघाट की लालटा वन सुरक्षा समिति अध्यक्ष शत्रुघ्न असाटी ने पीसीसीएफ असीम श्रीवास्तव से डीएफओ द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की शिकायत की थी।

आरोप -1 जून 2023 में 13 नलकूप खनन कार्य आदेश दिए गए थे। जिसमें से 7 नलकूप खनन कार्यों का 7.76 लाख रुपए का भुगतान एक वर्ष बाद 27 जून 2024 को किया गया है। जून 2024 में डीएफओ अभिनव पल्लव 18 से 28 जून तक मूल पदस्थापना के बजाए अतिरिक्त प्रभार पर थे।

तराना के तिल भांडेश्वर महादेव मन्दिर को प्रदान करेंगे भव्यता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सीएम हुए समारोह में शामिल, श्री मोहन भारती बने दशनाम जूना अखाड़ा के महंत

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्व में सनातन ही एकमात्र धर्म है, जो प्रकृति को समाहित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तराना स्थित तिलभांडेश्वर महादेव मन्दिर में श्री दशनाम जूना अखाड़ा के श्री मोहन भारती महाराज के महंत बनने पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन को समझने के लिये साधु-संतों के जीवन और उनके अनुभवों को समझना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि तिल भांडेश्वर मंदिर को धार्मिक लोक के रूप में विकसित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उज्जैन को धार्मिक-सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार गौ-शालाओं के लिए विशेष प्रावधान कर रही है। सभी गौ-शालाओं में एक गौ-वंश के लिए प्रतिदिन 40 रूपये की अनुदान राशि दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साधु-संत सनातन की धुरी हैं। सनातन धर्म साधु-संतों के मार्गदर्शन में काम करता रहा है। उन्होंने उज्जैन में आयोजित होने जा रहे सिंहस्थ-2028 के लिये साधु-संतों को आमंत्रित करते हुए कहा कि सिंहस्थ के लिये उज्जैन में साधु-संतों को स्थाई प्रकृति के निर्माण की भी स्वीकृति मिलेगी। इससे साधु-संतों को किसी प्रकार की समस्या नहीं आयेगी।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना सुश्री पलक पटवर्धन के निर्देशन में बालिकाओं ने नर्मदा क्षिप्रा स्तुति पर आधारित नृत्य नाटिका की आकर्षक प्रस्तुति दी।

आयोजन में अखाड़े के मुख्य संरक्षक श्री महंत हरि गिरि महाराज एवं अन्य संतों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को चांदी की गौ-माता स्मृति-चिन्ह के रूप में भेंट की। समारोह में सांसद श्री अनिल फिरोजिया, उज्जैन के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, स्थानीय पार्षद महेश जोशी, साधु संत उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिल भांडेश्वर महादेव मंदिर में की पूजा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तराना स्थित प्राचीन तिल भांडेश्वर महादेव मंदिर में पूजा कर प्रदेश की जनता की सुख समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को तराना स्थित तिल भांडेश्वर मंदिर में पूजा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देव दर्शन के बाद कार्यक्रमों में साधु संतों का सम्मान किया और चरण स्पर्श कर आशीर्वाद भी लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बृह्मलीन महंत श्री प्रकाशनंद जी भारती की समाधि पर पुष्पांजलि और चादर अर्पित की। उन्होंने श्री महारूद्र सहस्त्र चंडी महायज्ञ में आहुति दी और ईश्वर से कामना की कि प्रदेश में सुख समृद्धि बनी रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मन्दिर परिसर मे पीपल का पौधा रोपा। उन्होंने मंदिर परिसर में सत्संग भवन निर्माण के लिए भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर अखाड़ा परिषद के महामंत्री स्वामी श्री हरि गिरि महाराज और महंत श्री मोहन भारती जी महाराज, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, स्थानीय विधायक, साधु संत और जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अनुभा मुंजारे की बालाघाट में मेडिकल कॉलेज की मांग

लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा शुरू हुई तो कांग्रेस विधायक अनुभा बंजारे ने बालाघाट में मेडिकल कॉलेज की मांग की। उन्होंने कहा- ग्रामीणों को 200 किलोमीटर दूर नागपुर जाना पड़ता है। लोगों की जान भी जाती है। बीजेपी विधायक शैलेंद्र जैन ने भी सागर जिले में मेडिकल कॉलेज में ट्रॉमा सेंटर की मांग की और कहा- स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के बजट में किसी तरह की कटौती नहीं होनी चाहिए। जितनी अधिक सुविधा हो वह सरकार को करना चाहिए। मेडिकल कॉलेज में न्यूरोलॉजी विभाग नहीं है। इस वजह से भी न्यूरो से संबंधित मरीजों को दिक्कत होती है। जैन ने ब्लड बैंक की सुविधा शुरू नहीं होने की भी बात कही। उन्होंने एसएनसीयू और पीआईसीयू की सीट बढ़ाने की भी मांग की।